रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
30 जनवरी -2026
वर्ष 10, अंक 146
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का हुआ अंतिम संस्कार

- पत्नी ने गंगाजल चढ़ाया, बेटों ने मुखाग्नि दी, गन सैल्यूट दिया गया, अमित शाह और शरद पवार मौजूद रहे

बारामती/मुंबई (एजेंसी)। बारामती के काटेवाड़ी स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में गुरुवार को महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार का अंतिम संस्कार हुआ। उनके दोनों बेटों पार्थ और जय पवार ने मुखाग्नि दी। पत्नी सुनेत्रा पवार ने पति के पार्थिव शरीर पर गंगाजल चढ़ाकर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर चाचा शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। अंतिम संस्कार में महाराष्ट्र के अलावा दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंचे। बारामती में देर रात से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह के वक्त कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। समर्थक बाइक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बस से पहुंचे। अंतिम यात्रा में एक से दो किमी तक तक लोग ही लोग नजर आ रहे थे। पवार का चार्टर्ड प्लेन बुधवार सुबह बारामती एयरपोर्ट के पास सुबह 8.45 बजे क्रैश हुआ था। वे 66 साल के थे। बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हुई।

- शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा-

केशव मौर्य स्टैंड नहीं ले सके, उनमें विवेक नहीं, सरकार अहंकार त्याग देती तो ये सब न होता

वाराणसी (एजेंसी)। अगर कोई कहे कि हमें भेजा जाएगा, तब हम जाएंगे, तो इसका मतलब है कि उसमें स्वयं का विवेक नहीं है। विवेकशील व्यक्ति परिस्थिति को देखकर स्वयं निर्णय लेता है। यहां पर सरकार के प्रतिनिधियों को अपना स्पष्ट स्टैंड लेना चाहिए था, जो वे नहीं ले पाए। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सनातन का अपमान करने वाली सरकारें दोबारा नहीं लौटतीं, लेकिन प्रयागराज में

ब्रह्मचारी, बटुक, साधु, गृहस्थ, संगम स्नान करने वालों का अपमान किया गया। शंकराचार्य स्वयं सनातनी हैं, तो उनका अपमान सीधे-सीधे सनातन का अपमान है। यदि सरकार अहंकार त्यागकर समय रहते अपनी भूल सुधार लेती, तो यह स्थिति ही नहीं होती।

यह बातें प्रयागराज में प्रवास के बाद काशी वापस आए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मीडिया से कहीं। वो माघ मेले में धरने के दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की टिप्पणी पर बोल रहे थे। डिप्टी सीएम ने कहा था कि मुख्यमंत्रीजी ने संज्ञान लिया है। मुझे जब बात करने के लिए कहा जाएगा, जरूर करूंगा।

मुख्यमंत्री वित्त विभाग की ओर से आयोजित अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी-2026-27 में हुए

आदिवासी बहुल राज्य है, पारंपरिक व्यवस्थाओं को भी आगे ले जाना है: सीएम हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री ने व्यापक, संतुलित, समावेशी और सतत विकास आधारित बजट निर्माण पर दिया जोर, कहा- हर वर्ग को आगे ले जाने वाला हो बजट

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

रांची। झारखंड 25 वर्षों का सफर तय कर चुका है। ऐसे में इस बार राज्य के लिए मजबूत और बहुआयामी बजट की आवश्यकता है। बजट ऐसा हो, जो इस युवा राज्य की संभावनाओं को आकार दे सके। बजट संतुलित, समावेशी और व्यापक हो, जिसमें जन आकांक्षाएं परिलक्षित हो और विकास को भी गति मिले। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज झारखंड मंत्रालय में अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बजट ऐसा होना चाहिए, जो हर वर्ग और क्षेत्र को पूरी मजबूती के साथ आगे ले जा सके।

बजट की राशि में हो रही हर वर्ष वृद्धि, राजस्व बढ़ाने पर जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी बजट लगभग 1 लाख करोड़ रुपए के होने का

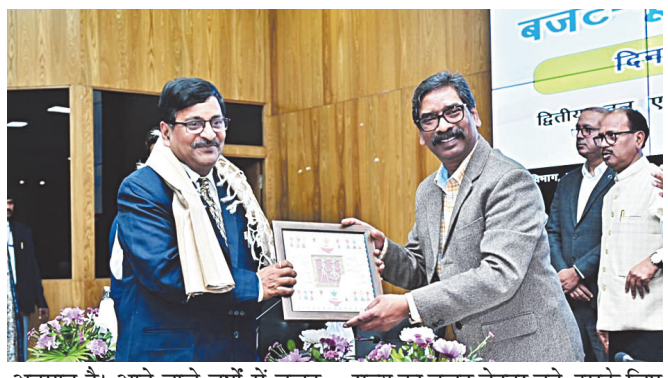

अनुमान है। आने वाले वर्षों में बजट की राशि में और वृद्धि होगी। ऐसे में राजस्व संग्रहण बढ़ाने की दिशा में भी हमें ठोस तरीके से कार्य करना होगा ताकि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में राशि की कमी नहीं हो।

बजट से आम लोगों को भी जोड़ना होगा: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का बजट बेहतर बने, इसके लिए आम लोगों को भी जिम्मेदारी देनी होगी। इस दिशा में हमारी सरकार आम लोगों से लगातार सुझाव ले रही है। मेरा मानना है कि लोगों की भागीदारी से ही हम एक संतुलित और विकास आधारित बजट इस राज्य का बना सकते हैं।

विदेश दौरे में मिले अनुभव से राज्य को देंगे नई दिशा: मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक और लंदन दौरे से लौटा हूं। वहां काफी करीब से उनकी नीतियों, समृद्ध अर्थव्यवस्था, लोगों की जीवन और कार्य शैली तथा परंपरा-संस्कृति देखने - समझने का मौका मिला। विदेश दौरे में हमें जो अनुभव प्राप्त हुए हैं, उसके जरिए हम राज्य को नई दिशा देने देंगे का प्रयास करेंगे।

नई पीढ़ी नए तरीके से बढ़ रही है आगे

मुख्यमंत्री ने कहा की नई पीढ़ी अलग सोच के साथ आगे बढ़ रही है। ये पीढ़ी पारंपरिक व्यवस्थाओं से अलग रास्ते तलाश रही है। ऐसे में नई पीढ़ी की जरूरतों तथा आवश्यकताओं के अनुरूप बजट को तैयार करना होगा ताकि उन्हें उन्हें हम बेहतर अवसर उपलब्ध करा सकें। इसके लिए जरूरी है कि हम नवीनतम प्रयोग के साथ आगे बढ़ें।

संसाधनों और क्षमताओं की कोई कमी नहीं है

झारखंड में किसी भी क्षेत्र में संसाधन और क्षमताओं की कोई कमी नहीं है। जल – जंगल जैसे प्राकृतिक संसाधन हैं। प्रचुर खनिज संपदा है। उद्यमी हैं। मानव संसाधन है। मेहनतकश श्रम बल है। किसान हैं। खिलाड़ी हैं। इसके साथ अनेकों और क्षेत्र हैं, जहां काफी संभावनाएं हैं। हमें इन संसाधनों और क्षमताओं का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में कार्य करना है।

हर क्षेत्र में लक्ष्य के साथ बढ़ रहे हैं आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में प्राकृतिक, औद्योगिक और आर्थिक संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। ऐसे में अपने इन संसाधनों के बलबूते शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि, खेल, प्राकृतिक, औद्योगिक, आर्थिक और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' संसद में पेश

- 56.2 करोड़ लोगों के पास रोजगार का दावा, एफबाय 27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत तक रहने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार 29 जनवरी को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' यानी इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में पेश किया।

इस सर्वे में बताया गया है वित्त वर्ष 2026-2027 में जीडीपी ग्रोथ 6.8 प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत की रेंज में रहने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई, खेती-किसानी की क्या हालत है और क्या आने वाले समय में नई नौकरियां बढ़ेंगी इसकी भी जानकारी सर्वे में दी गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में इकोनॉमिक सर्वे 2025-2026 पटल पर रखा।

- इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में पेश, पीएम ने कहा- सरकार की पहचान रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म- पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा, 'हमारी सरकार की पहचान रही है, रिफॉर्म, परफॉर्म और

ट्रांसफॉर्म। अब हम रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़े हैं। उन्होंने कहा, यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण है। 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। यह दूसरे चौथाई की शुरुआत है। 2047 विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये 25 साल बहुत अहम हैं। एक दिन पहले बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सेंट्रल हॉल में दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित किया था।

- एसआईआर पर सुनवाई, याचिकाकर्ता बोले-

चुनाव आयोग मनमानी नहीं कर सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को एसआईआर प्रक्रिया में सभी राज्यों में नियमों का सही ढंग से पालन करना चाहिए। तमिलनाडु में जिन लोगों का नाम स्पेलिंग एरर के चलते काटा गया है। उनकी लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, सब-डिवीजन के तालुका ऑफिस और शहरी इलाकों के वार्ड ऑफिस में लगाई जाए। उधर याचिकाकर्ता की तरफ से पेश एडवोकेट प्रशांत भूषण ने दलील दी कि नई वोटर लिस्ट बनाने की कोशिश में महिलाओं के नाम कट रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। गरीब और कमजोर लोगों पर बोझ डाला गया। वोटर को खुद फॉर्म भरने की जिम्मेदारी दी गई है।

हिमाचल में भारी बर्फबारी

889 सड़कें और हजारों बिजली ट्रांसफार्मर ठप

उत्तराखंड में सड़कों पर 4 फीट बर्फ, मप्र, राजस्थान-यूपी और बिहार में बारिश की संभावना

शिमला/भोपाल/जयपुर/श्रीनगर/देहरादून (एजेंसी)। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में न्यूनतम तापमान -6 डिग्री से -1 डिग्रीके बीच रहा। लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी में सबसे कम -6.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

बर्फबारी के कारण हिमाचल में चार नेशनल हाईवे सहित कुल 885 सड़कें और 3 हजार से ज्यादा बिजली ट्रांसफार्मर ठप हैं। पाइपलाइन में पानी जमने से वाटर सप्लाई भी बंद हैं, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं।

इधर, उत्तराखंड में दो दिनों से लगातार बर्फबारी के बाद आज धूप खिली है। हालांकि, बद्रीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री में सड़कों पर अभी भी 3 से 4 फीट तक बर्फ जमी है। चमोली के औली में लगभग 2 फीट बर्फ गिरी। राज्य में एवलांच का खतरे का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ों पर बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में भी दिख रहा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, यूपी, बिहार सहित अन्य राज्यों में फिर से सर्दी और कोहरे का असर बढ़ गया है। यूपी के गोरखपुर में गुरुवार सुबह बारिश हुई।

यूपी से जयपुर जा रही बस के उड़े परखच्चे

- ट्रेलर की टक्कर में 4 की मौत, 5 घायल

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के भरतपुर में स्लीपर बस और ट्रेलर की भीषण टक्कर में मां-बेटे समेत 4 यात्रियों की मौत हो गई। 5 यात्री घायल हो गए। बस उत्तर प्रदेश के कासगंज से जयपुर जा रही थी। इस दौरान सेवर पुल पर खड़े ट्रेलर में घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। बस में फंसे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। एक्सीडेंट सेवर थाना इलाके में आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे पर बुधवार देर रात करीब 2:30 बजे हुआ।

कर्नाटक में बेंगलुरु जा रही बस में आग लगी, 10 जख्मी

बेंगलूर (एजेंसी)। कर्नाटक के होसनगर से बेंगलुरु जा रही एक प्राइवेट बस में गुरुवार सुबह आग लग गई। बस में 36 यात्री सवार थे। इनमें लगभग 10 यात्रियों को मामूली रूप से जख्मी हुए हैं। अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें दिखा कि आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया है।

बांधडीह गोलीकांड के कथित मुख्य आरोपी रजनीश गिरफ्तार, कोलकाता के अपराधियों की रसूख से बचने की साजिश

अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

झारखंड के बोकारो जिले के चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बांधडीह रेलवे साइडिंग पर 9 सितंबर 2025 को दिनदहाड़े हुए गोलीकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2026) की रात्रि करीब 9 बजे मुख्य आरोपी रजनीश राज उर्फ रजनीश शर्मा को उसके कुछ साथियों के साथ पेटरवार क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन 29 जनवरी 2026 तक इस पूरे प्रकरण को गोपनीय रखा गया है। यह घटना रंगदारी वसूली, ठेका-टेंडर विवाद तथा जमीन निर्माण कार्यों में वर्चस्व की लड़ाई से जुड़ी लोग है। हमले में ट्रैक्टर चालक जादू हाड़ी (45 वर्ष, निवासी पाठकडीह, बिजुलिया) को चार-पांच गोलियां लगीं, जिनमें दो पैरों में, दो पेट के निचले हिस्से में तथा एक मोबाइल फोन को तोड़ते हुए निकल गई। घायल को तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर रही और लंबा इलाज चला है।घटनास्थल से पुलिस ने पांच खोखे तथा एक धमकी भरा पर्चा बरामद किया था, जिसमें ठेका-टेंडर संबंधी रंगदारी की मांग तथा चेतावनी लिखी हुई थी। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने तुरंत विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। गोपनीय सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में रजनीश शर्मा के पास से दो पिस्टल तथा 14 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पूर्व विधायक अमर कुमार बावरी ने घटना पर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की थी तथा चंदनकियारी क्षेत्र को रक्तरंजित न होने देने की बात कही थी। उन्होंने एसपी तथा डीएसपी से त्वरित कार्रवाई की मांग की थी तथा चेतावनी दी थी कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो जनता सड़कों पर उतरने को बाध्य होगी। स्थानीय विधायक उमाकांत रजक ने भी मामले का संज्ञान लिया था, किंतु बाद में यह ठंडे बस्ते में चला गया था। अब इस गिरफ्तारी से पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, लेकिन पुलिस कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दे रही है। सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ता इसे रंगदारी गिरोह से जोड़कर देख रहे हैं तथा कोलकाता के कुछ अपराधियों के मजबूत रसूख तथा प्रभाव का भी पता लग रहा है। सूत्र का कहना है की अपराधी अपनी पहुंच और रिश्वत के दम पर इस घटना से बच निकलने की फिराक में हैं तथा पुलिस को चकमा देने के लिए भारी रकम खर्च करने की तैयारी में कुछ लोग जुटे हुए हैं। दैनिक अलग पहचान ने इस मामले पर पहले भी प्रकाश डाला है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस घटना के पीछे गहरा षड्यंत्र चल रहा है, जिसमें बाहरी तत्वों की संलिप्तता संदिग्ध है। ऐसा लग रहा है की ठोस पुलिस की जांच जारी है तथा आगे की कार्रवाई से बड़े खुलासे होने की संभावना है।

बोकारो के बांधडीह रेलवे साइडिंग में गोलीबारी, ट्रैक्टर चालक घायल, अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग

पूर्व मंत्री अमर बाउरी ने बोकारो गोलीबारी पर जताई चिंता, अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग

अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली

बोकारो के चास (मुफस्सिल) थाना क्षेत्र के अंतर्गत बांधडीह रेलवे साइडिंग में एक सनसनीखेज गोलीबारी की घटना सामने आई है। इस घटना में 45 वर्षीय ट्रैक्टर चालक जादू हाड़ी को अज्ञात अपराधियों ने पांच गोलियां मारीं, जिसमें से चार गोलियां उनके शरीर में लगीं और एक गोली ने उनका मोबाइल फोन क्षतिग्रस्त कर दिया। घायल जादू हाड़ी को उनके साथ काम करने वाले लोगों ने मोटरसाइकिल पर अस्पताल पहुंचाया, जहां बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह मामले को बेहद गंभीरता से लिया है और उन्होंने ने बताया कि अज्ञात अपराधियों ने इस कांड को अंजाम दिया और घटनास्थल पर एक पर्चा भी फेंका गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि अपराधी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे। एसपी ने स्वयं अस्पताल पहुंचकर घायल का हाल जाना।

घटनास्थल पर उपस्थित पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, पुलिस पदाधिकारी और साइड में पर्चा

इस घटना पर चंदनकियारी के पूर्व विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री अमर बाउरी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि चंदनकियारी क्षेत्र में इस तरह की घटना पहले कभी नहीं हुई। बिजुलिया के पाठकडीह निवासी जादू हाड़ी, जो बांधडीह रेलवे साइडिंग में ट्रैक्टर चालक के रूप में कार्यरत थे, को मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने चार-पांच गोलियां मारकर घायल कर दिया। बाउरी ने इसे क्षेत्र में बढ़ती 'गोली-बंदूक वाली संस्कृति' का संकेत बताया और कहा कि चंदनकियारी की जनता इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने एसपी और डीएसपी से बात कर अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी और मामले के शीघ्र उद्भेदन की मांग की। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता अपनी सुरक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होगी।

क्षेत्र में चर्चा है कि यह घटना रेलवे ठेके को लेकर चल रहे अंदरूनी टकराव का परिणाम हो सकती है। हालांकि, पुलिस ने इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बालू सहित कई अवैध कारोबारों के सुचारू रूप से चलने की बात सामने आ रही है। इस थाने के प्रभारी प्रकाश कुमार मंडल को क्षेत्र में बातचीत और टाल मटोल करने वाले अधिकारी के रूप में चिन्हित हो रहे हैं और इनकी पुलिसिया कार्यशैली को लेकर कुछ सवाल भी उठ रहे हैं। बोकारो पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और अपराधियों की तलाश में छापेमारी तेज कर दी गई है।

दैनिक अलग पहचान अखबार में प्रकाशित गोली कांड मामले की खबर की (तस्वीर)

- योगी कैबिनेट में अहम फैसले

यूपी में टीचर्स-शिक्षामित्र का कैशलेस इलाज होगा

मेरठ में बांग्लादेशी हिंदू बसाए जाएंगे, 11 फरवरी को आएगा बजट

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में माध्यमिक और प्राइमरी स्कूलों के टीचर्स और कर्मचारी अब 5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज करा पाएंगे। माध्यमिक, बेसिक के साथ ही एडेड और सेल्फ फाइनेंस के कर्मचारियों को यह सुविधा मिलेगी। इससे करीब 12 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा।

इसके अलावा, मेरठ के मवाना गोसाई में 107 बांग्लादेशी विस्थापित हिंदू परिवार को विस्थापित किया जाएगा। योगी सरकार का बजट सत्र 9 फरवरी से शुरू होगा, 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। गुरुवार को योगी कैबिनेट बैठक में कुल 29 प्रस्ताव पास हुए।शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा- बेसिक के 4,34,226 टीचर, एडेड के 13,380 टीचर, सेल्फ फाइनेंस के 4,72,735 टीचर, 1,42,928 शिक्षामित्र, 24,417 अनुदेशक, 7,479 कस्तूरबा गांधी के वार्डन, 97,344 रसोईया, 2,581 विशेष शिक्षक को फायदा मिलेगा।

पश्चिम बंगाल गोदाम आग हादसे में 21 शव बरामद, 28 लोग अभी भी लापता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले में 26 जनवरी की रात लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। गुरुवार को जले गोदाम में से 13 शव बरामद किए गए। 28 लोग अभी भी लापता है जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।आग नॉर्थ 24 परगना जिले के आनंदपुर में मोमो कंपनी की दो गोदामों और एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में लगी थी।

रणवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर

चावुंडी दैव परंपरा और हिंदू भावनाओं के अपमान का आरोप, कांतारा की देवी को भूत कहकर मजाक उड़ाया था

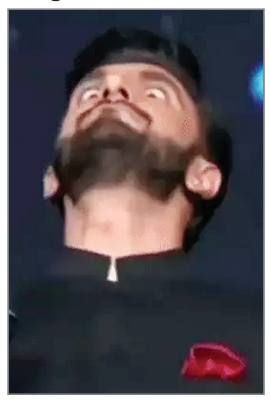

बेंगलूर (एजेंसी)। बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ हिंदू धार्मिक भावनाओं और कर्नाटक की चावुंडी दैव परंपरा का अपमान करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला 28 नवंबर 2025 को गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया से जुड़ा है। रणवीर सिंह के खिलाफ यह एफआईआर बेंगलुरु के वकील प्रशांत मेथल ने दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रणवीर सिंह ने मंच पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और ऐसा अभिनय किया, जिससे दैवा परंपरा के पवित्र तत्वों का मजाक उड़ाया गया। शिकायत में कहा गया है कि रणवीर ने पंजुरली और गुलिगा दैवा से जुड़े भाव-हावभाव की नकल की और उन्हें भद्दे, हास्यास्पद और अपमानजनक तरीके से प्रस्तुत किया।इसके अलावा अभिनेता पर चावुंडी दैव को 'महिला भूत' कहने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, चावुंडी दैवा कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में पूजनीय रक्षक देवी मानी जाती हैं और वे दिव्य स्त्री शक्ति का प्रतीक हैं। उन्हें 'भूत' कहना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया गया है।अब यह मामला बेंगलुरु की प्रथम अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट अदालत को भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में हाइवा की टक्कर से युवक की मौत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र के ईसीएल मुगमा एरिया अंतर्गत चापापुर टू कोलियरी मार्ग पर बीती रात एक सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवक मिथुन कुंभकार की मौके पर ही मौत हो गई। मिथुन सोनवाद पंचायत के कोड़ाडंगाल निवासी था। देर रात 11 से 12 बजे के बीच वह अपने घर लौट रहा था, तभी एक अज्ञात हाइवा वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि ईसीएल प्रबंधन इस ग्रामीण सड़क का उपयोग भारी वाहनों के आवागमन के लिए कर रहा है, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर न तो स्ट्रीट लाइट की सुविधा है और न ही सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है। परिजनों के अनुसार, मिथुन कुंभकार परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उन्होंने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए 20 लाख रुपए मुआवजा और मृतक के पिता को ईसीएल में नौकरी देने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक कंपनी प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर सकारात्मक बातचीत नहीं करते, तब तक शव को सड़क से नहीं हटाया जाएगा। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि घटना के कई घंटे बीत जाने के बावजूद न तो कंपनी प्रबंधन और न ही कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचा।

धोखाधड़ी के आरोपी बैंक मैनेजर की जमानत याचिका खारिज

रांची, एजेंसी। धोखाधड़ी के मामले में आरोपी इंडियन बैंक के टाटीसिल्वे शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक मनीष कुमार को अदालत से झटका लगा है अपर न्यायायुक्त एके तिवारी की अदालत ने उनकी ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने साफ कहा कि मामला गंभीर प्रकृति का है और जांच अभी प्रारंभिक अवस्था में है। अभियोजन के अनुसार, आरोप है कि मुख्य आरोपियों ने बैंक अधिकारी की मिलीभगत से फर्जी हस्ताक्षर वाले बियरर चेक के जरिए सूचक के खाते से 9 l22 लाख रुपए की अवैध निकासी की। कोर्ट ने माना कि आरोपी बैंक कर्मचारी होने के कारण उसकी भूमिका की गहन जांच आवश्यक है। धोखाधड़ी के मामले को लेकर खेलगांव थाना में जून 2022 में बैंक मैनेजर समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है।

मौत को टक से छूकर लौट आए नोवामुंडी के बीडीओ साहेब

रांची, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी प्रखंड के बीडीओ (प्रखंड विकास पदाधिकारी) पप्पू रजक उस समय मौत को छूकर टक से वापस लौट आए, जब उनकी सरकारी गाड़ी झाड़ियों में घुस गई। वे नगर निकाय चुनाव से जुड़े काम को पूरा करने के लिए चाईबासा जा रहे थे। रास्ते में टोंटो प्रखंड क्षेत्र के सूरज बासा पास के पास अचानक सामने आए एक दोपहिया वाहन को बचाने के प्रयास में ड्राइवर ने गाड़ी मोड़ी, जिससे वाहन संतुलन खो बैठा और सीधे झाड़ियों में जा घुसा ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी सड़क से फिसलकर झाड़ियों में चली गई और दो बड़े पेड़ों के बीच फंस गई। राहत की बात यह रही कि झाड़ियों के ठीक पीछे गहरी खाई थी, लेकिन वाहन वहां तक नहीं पहुंच पाया। यदि गाड़ी कुछ फीट और आगे बढ़ जाती, तो यह सीधा खाई में गिर सकती थी और बड़ा, जानलेवा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। इस दुर्घटना में सरकारी वाहन को काफी नुकसान पहुंचा है। बीडीओ पप्पू रजक और उनके साथ मौजूद कर्मियों को कोई गंभीर चोट नहीं आई। बताया जा रहा है कि बीडीओ और उनके सहयोगियों को अंदरूनी चोटें लगी हैं, लेकिन उनकी हालत खतरे से बाहर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर गाड़ी पेड़ों के बीच नहीं फंसती, तो परिणाम बेहद भयावह हो सकता था। हादसे की सूचना मिलते ही टोंटो प्रखंड के बीडीओ, संबंधित थाना के थाना प्रभारी और स्थानीय मुखिया तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों के सहयोग से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। झाड़ियों में फंसी गाड़ी से पहले बीडीओ और उनके सहकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद टोचन और ग्रामीणों की मदद से वाहन को झाड़ियों से बाहर निकाला गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद जगन्नाथपुर के अंचल अधिकारी (सीओ) मनोज कुमार मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और बीडीओ पप्पू रजक की हालत की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने उन्हें सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था कराई। प्रशासनिक स्तर पर यह सुनिश्चित किया गया कि बीडीओ को किसी तरह की परेशानी न हो और आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध रहे ।घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि अगर कुछ सेकंड की भी देरी होती, तो वाहन सीधे गहरी खाई में गिर जाता। सड़क किनारे मौजूद झाड़ियां और दो बड़े पेड़ इस हादसे में किसी सुरक्षा कवच की तरह साबित हुए। लोगों का कहना है कि यह किसी चमत्कार से कम नहीं है कि सभी लोग सुरक्षित बच निकले।

कैरव गांधी अपहरणकांड: फिरौती लेकर ही अपराधियों ने छोड़ा

गयाजी और नालंदा से 3 अरेस्ट, किडनैपिंग में इस्तेमाल स्कॉर्पियो, कार और हथियार मिले

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के युवा उद्यमी कैरव गांधी के अपहरण मामले में पुलिस ने अहम सफलता हासिल की है। कैरव की रिहाई के बाद पुलिस ने बिहार के गया और नालंदा से छापेमारी कर तीन आरोपियों को पकड़कर अलग-अलग थाना में ले जाकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक जिला पुलिस की टीम ने गया जिले के बुनियादगंज थाना क्षेत्र के सोंधी गांव में छापेमारी कर गांव निवासी उपेंद्र सिंह और अर्जुन सिंह को गिरफ्तार किया।

दोनों की निशानदेही और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पथ नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ीतल गांव में छापेमारी की गई, जहां से उपेंद्र सिंह के रिश्तेदार गुड्डू सिंह को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में रहने वाले पांच अन्य लोगों को भी हिरासत में लेकर छानबीन की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई के दौरान घटना में इस्तेमाल स्कॉर्पियो वाहन, हथियार और एक कार भी बरामद की गई है, हालांकि जिला पुलिस के किसी अधिकारी ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं, पुलिस की एक अन्य टीम बिहार में लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस को शुरुआती जांच में यह जानकारी मिली थी कि जेम्को निवासी सोनू नामक युवक की इस अपहरणकांड में संलिप्तता है। सोनू फिलहाल फरार है। उसकी तलाश में पुलिस ने बिहार स्थित उसके ससुराल में भी छापेमारी की, लेकिन वहां कोई नहीं मिला।

उपेंद्र सिंह और गुड्डू सिंह का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। दोनों अपहरण, बैंक लूट और अवैध शराब कारोबार जैसे मामलों में जेल जा चुके हैं। वहीं अर्जुन सिंह

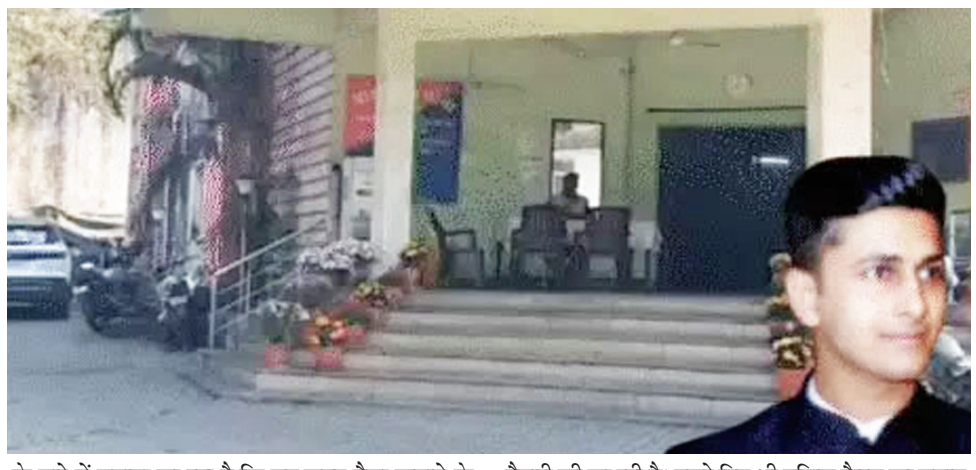

के बारे में बताया जा रहा है कि वह जल्द पैसा कमाने के लालच में अपराध की दुनिया में उतरा।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि फिरौती की रकम मिलने के बाद गणतंत्र दिवस की देर रात कैरव गांधी को बिहार-झारखंड सीमा पर बरही-चौपारण के बीच एक सुनसान इलाके में छोड़ दिया गया था। इसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए। पुलिस अब भी गिरोह के सरगना और पूरे अपहरण नेटवर्क की तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल मास्टरमाइंड का नाम सामने नहीं आया है।

कैरव के घर पहुंचते रहे लोग, बयान नहीं ले सकी पुलिस : अपहृत कैरव की घर वापसी के दूसरे दिन भी उनके आवास पर लोगों का आना-जाना लगा रहा। कैरव घर से बाहर नहीं निकले। उनके पिता सहित कुछ परिजनों ने अपने मोबाइल फोन बंद रखे हैं और नंबर बदलने की भी तैयारी की जा रही है। दूसरे दिन भी पुलिस कैरव का बयान दर्ज नहीं कर सकी। सूत्रों के अनुसार, पुलिस परिजनों पर यह दबाव भी बना रही है कि मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी सार्वजनिक न की जाए। इसी कारण परिवार के लोग बेहद सतर्कता बरत रहे हैं और अपहरण की पूरी कहानी बताने से इंकार कर रहे हैं।

परिजन बस यही कह रहे हैं कि कैरव की सकुशल वापसी शहरवासियों की प्रार्थनाओं का नतीजा है। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या पुलिस कैरव का बयान अदालत में दर्ज कराएगी या फिर किसी नई थ्योरी के आधार पर आरोपियों को जेल भेजेगी।

साथ ही यह भी सवाल खड़ा हो रहा है कि बरामदगी के बाद बिना मेडिकल जांच कराए कैरव को परिजनों को कैसे सौंप दिया गया और पुलिस को यह कैसे भरोसा हो गया कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

पुलिस की कार्यशैली पर उठते रहे हैं सवाल : अपहरण के पहले दिन से ही पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठते रहे हैं। जांच के दौरान कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। घटना की सूचना मिलने के बावजूद बिष्टुपुर थाना प्रभारी की लापरवाही के कारण जांच देर से शुरू हुई और अपहरण के करीब पांच घंटे बाद पुलिस हरकत में आई, तब तक अपराधी फरार हो चुके थे। सीमा सीलिंग में देर होने के कारण झारखंड, बिहार और बंगाल की सीमाएं समय पर सील नहीं की जा सकीं।

बिष्टुपुर से चांडिल तक लगे कई सीसीटीवी कैमरे खराब थे, जबकि कई स्थानों का फुटेज इतना धुंधला था कि अपराधियों की पहचान में दो से तीन दिन लग गए। जिला पुलिस का इंटेलिजेंस तंत्र पूरी तरह फेल साबित हुआ और घटना से पहले कुख्यात अपराधियों की शहर में गतिविधियों की भनक तक नहीं लग पाई।

ऐसे दिया गया था वारदात को अंजाम : 13 जनवरी को दोपहर करीब एक बजे कैरव गांधी घर से गम्हरिया स्थित अपनी फैक्ट्री जा रहे थे। इसी दौरान कदमा-सोनारी लिंक रोड पर करीब आधा दर्जन अपराधियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उनका अपहरण कर लिया। कैरव को उनकी क्रेटा कार से उतारकर 'पुलिस' लिखा बोर्ड लगी स्कॉर्पियो में बैठाया गया और बिहार ले जाया गया।

अपहरण के बाद इंडोनेशिया नंबर से परिजनों को कॉल कर भारी फिरौती की मांग की गई। फिरौती मिलने के बाद 26 जनवरी की रात कैरव को रिहा कर दिया गया। 27 जनवरी की सुबह करीब साढ़े चार बजे परिजन उन्हें सुरक्षित घर लेकर पहुंचे।

झारखंड की बालक टीम ने चंडीगढ़ व बालिका ने गुजरात को 3-0 से हराया

रांची, एजेंसी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की पहल पर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की मेजबानी में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली अंडर-17 बालक व बालिका हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को लीग मैच हुए। देश के विभिन्न राज्यों व इकाइयों की कुल 63 टीमों ने भाग लिया। मेजबान झारखंड की बालक टीम ने चंडीगढ़ को 3-0 से हराया, बालिका वर्ग में झारखंड ने गुजरात को 3-0 से हराकर अगले दौर में अपनी जगह पक्की की। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 31 जनवरी तक होगी। मुकाबला जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी, बरियातू, रेलवे एस्ट्रो टर्फ हटिया व एस्ट्रो टर्फ खूंटी में हो रहा है।

बालिका वर्ग के परिणाम : बालिका वर्ग में झारखंड ने गुजरात को 3-0 से हराकर अच्छी शुरुआत की। हरियाणा ने दिल्ली को 5-0 से, हिमाचल प्रदेश ने केरल को 5-0 से और पंजाब ने चंडीगढ़ को 2-0 से हराया। नवोदय विद्यालय

समिति ने त्रिपुरा को 1-0 से पछाड़ा। छत्तीसगढ़ ने तमिलनाडु को 4-2 से हराया, जबकि महाराष्ट्र ने जम्मू-कश्मीर को 7-0 से शिकस्त दी। अन्य मुकाबलों में उत्तर प्रदेश ने केवीएस को 7-0 से, ओडिशा ने राजस्थान को 7-0 से, सीआईएससीई ने पश्चिम बंगाल को 1-0 से, कर्नाटक ने आईपीएससी को 15-0 से, पुडुचेरी ने तेलंगाना को 3-0 से हराया।

बालक वर्ग के परिणाम : ओडिशा ने जम्मू-कश्मीर को 13-0 से हरा कर बड़ी जीत दर्ज की। हरियाणा ने पश्चिम बंगाल को 3-1 से, उत्तर प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 5-0 से, झारखंड ने चंडीगढ़ को 3-0 से, दिल्ली ने पुडुचेरी को 4-0 से तथा मणिपुर ने बिहार को 4-1 से हराया। विद्या भारती ने तेलंगाना को 7-0 से हराया, जबकि केरल ने आईपीएससी को 5-2 से पछाड़ा। अन्य मुकाबलों में पंजाब ने उत्तराखंड को 2-0 से, मध्य प्रदेश ने केवीएस को 4-2 से, कर्नाटक ने सीबीएसई वेलफेयर को 16-0 से, राजस्थान ने सीआईएससीई को 6-1 से तथा हिमाचल प्रदेश ने महाराष्ट्र को 4-1 से हराया।

कोडरमा में 10वीं के छात्र ने लगाई फांसी, किराए के मकान में रहकर करता था पढ़ाई

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत बजरंग नगर में 15 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान हजारीबाग जिले के चलकुस्सा प्रखंड के मसौनी गांव निवासी मुंशी यादव के पुत्र सचिन यादव के रूप में हुई है। सचिन कक्षा 10वीं का छात्र था। वह इसी वर्ष मैट्रिक बोर्ड परीक्षा देने वाला था।

जानकारी के अनुसार वह झुमरीतिलैया के एक निजी विद्यालय में पढ़ाई करता था। अपने कुछ साथियों के साथ बजरंग नगर स्थित एक किराए के मकान में रह रहा था। बुधवार रात उसने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया।

मृतक के भाई नीतीश यादव ने बताया कि सचिन पढ़ाई में काफी तेज था। परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं। उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कोई स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। न तो मौके से कोई सुसाइड नोट मिला है और न ही किसी तरह के तनाव की जानकारी परिजनों को पहले से थी।

बताया जा रहा है कि सचिन सामान्य दिनों की तरह ही रह रहा था और परीक्षा की तैयारी में जुटा हुआ था। बुधवार सुबह जब परिजन बजरंग नगर स्थित

मकान पर पहुंचे, तब उन्हें घटना की जानकारी मिली। इसके बाद परिजन शव को अपने पैतृक गांव मसौनी ले गए।

सचिन के पिता मुंशी यादव मुंबई में रहकर काम करते हैं। उन्हें बेटे की मौत की सूचना दे दी गई है। वे गांव के लिए रवाना हो चुके हैं। इधर, तिलैया थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को मिली थी। जब तक मौके पर कर्मी पहुंचते तब तक परिजन शव को वहां से ले जा चुके थे। थाना प्रभारी के अनुसार मृतक मूल रूप से हजारीबाग जिले के चलकुस्सा थाना क्षेत्र का निवासी था। इस मामले को लेकर चलकुस्सा थाना से भी संपर्क कर जानकारी जुटाई जा रही है।

शराब घोटाला: ट्रांजिट बेल लेकर फरार हुए नवीन केडिया के बेल बॉन्ड की राशि जब्त

रांची, एजेंसी। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में फरार चल रहे छत्तीसगढ़ के शराब कारोबारी नवीन केडिया पर शिकंजा कसता जा रहा है। गोवा की अदालत ने ट्रांजिट बेल की शर्तों का उल्लंघन करने पर मंगलवार को उसके पांच लाख रुपए के बेल बांड की राशि जब्त कर ली। अदालत ने इसे न्यायालय की अवमानना और गंभीर उल्लंघन मानते हुए यह सख्त कदम उठाया।

छत्तीसगढ़ के शराब कारोबारी नवीन केडिया को झारखंड एसीबी ने आठ जनवरी को गोवा के एक स्पा सेंटर से गिरफ्तार किया था, जहां वह मसाज कराते वक्त पकड़ा गया था। नौ जनवरी को उसे गोवा कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने चार दिन की ट्रांजिट बेल 12 जनवरी तक के लिए दी थी।

शर्त यह थी कि वह इस अवधि में रांची स्थित एसीबी के अनुसंधानकर्ता के समक्ष आत्मसमर्पण करेगा और कोर्ट की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ेगा। लेकिन ट्रांजिट बेल मिलने के बाद से ही नवीन केडिया फरार हो गया। न तो वह रांची पहुंचा और न ही जांच एजेंसी के सामने पेश हुआ। इसके बाद झारखंड पुलिस ने उसके छत्तीसगढ़ स्थित कई ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। इस पूरी स्थिति की रिपोर्ट गोवा कोर्ट को दी गई, जिसके बाद अदालत ने उसकी जमानत राशि जब्त करने का आदेश दे दिया।

नवीन केडिया छत्तीसगढ़ की देसी शराब निर्माता कंपनी छत्तीसगढ़ डिस्टलरी का संचालक है। नवीन केडिया उत्पाद विभाग के पूर्व प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे का करीबी रहा है। उनके ही कार्यकाल की उत्पाद नीति के दौरान उसे देसी शराब आपूर्ति का काम मिला था। आरोप है कि नवीन केडिया की कंपनी ने झारखंड में निम्न गुणवत्ता की देसी शराब की आपूर्ति की थी, जिसमें शीशे के कण तक पाए गए थे। इस वजह से उत्पाद विभाग को करीब 136 करोड़ के राजस्व का भी नुकसान हुआ।

12 फरवरी को देशव्यापी बिजली हड़ताल, विद्युत संशोधन बिल -2025 के विरोध में एआईपीईएफ की घोषणा

रांची, एजेंसी। देशभर के राज्य विद्युत निगमों, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में कार्यरत बिजली अभियंताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने बिजली क्षेत्र के निजीकरण और प्रस्तावित इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 के खिलाफ 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है।

फेडरेशन का दावा है कि यदि सरकार ने अपने रुख में बदलाव नहीं किया तो इस हड़ताल के कारण देशभर में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इस संबंध में फेडरेशन ने केंद्र सरकार को औपचारिक नोटिस सौंप दिया है।

हड़ताल की घोषणा करते हुए फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने

कहा कि यह आंदोलन लाखों बिजली अभियंताओं और कर्मचारियों के गहरे असंतोष और चिंता की अभिव्यक्ति है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियां सार्वजनिक बिजली क्षेत्र को क्रमशः कमजोर कर रही हैं।

दुबे ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि संसद के बजट सत्र के दौरान इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 को पेश किया गया तो देशभर के बिजली कर्मचारी 'लाइटनिंग एक्शन' के तहत कार्यस्थल छोड़कर व्यापक जन आंदोलन शुरू करेंगे।

चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि बिजली देश की अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग और ग्रामीण जीवन की रीढ़ है। उनके अनुसार इलेक्ट्रिसिटी (संशोधन) बिल 2025 और राष्ट्रीय विद्युत नीति 2026 सस्ती बिजली, सार्वजनिक स्वामित्व, संघीय ढांचे और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा हमला हैं। उन्होंने वितरण क्षेत्र में मल्टी लाइसेंसिंग, जबरन स्मार्ट मीटरिंग, ट्रांसमिशन में पीपीपी और टीबीसीबी माडल, संचालन के आउटसोर्सिंग तथा नौकरियों के ठेकेदारीकरण को बिजली व्यवस्था के लिए घातक बताया।

फेडरेशन ने इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 को तत्काल वापस लेने, राष्ट्रीय विद्युत नीति को निरस्त करने और बिजली निगमों के निजीकरण पर पूर्ण विराम लगाने की मांग की है। इसके साथ ही स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग योजना वापस लेने, संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती, पुरानी पेंशन योजना की बहाली और संघीय ढांचे पर केंद्र के कथित दबाव को रोकने की भी मांग उठाई गई है।

रांची के मोरहाबादी मैदान में रोड सेफ्टी मैराथन 2026, सीख से सुरक्षा का दिया गया मजबूत संदेश

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में सड़क सुरक्षा को लेकर एक और अहम पहल देखने को मिली। मोरहाबादी मैदान में रोड सेफ्टी मैराथन 2026 का आयोजन किया गया। इस मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और लोगों को यह संदेश देना था कि यातायात नियमों का पालन कर ही सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

यह मैराथन जिला प्रशासन और राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित की गई, जिसका थीम सीख से सुरक्षा रखी गई थी। मैराथन के दौरान प्रतिभागियों के हाथों में सड़क सुरक्षा से जुड़े स्लोगन और संदेश लिखी तख्तियां दिखाई दीं, जिनमें सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट के इस्तेमाल, ओवरस्पीडिंग से बचने और ट्रैफिक नियमों के पालन पर जोर दिया गया। आयोजन स्थल से लेकर पूरे रूट पर सड़क सुरक्षा का संदेश गूंजता रहा।

गौरतलब है कि जनवरी महीने को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान मुख्य उद्देश्य लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क सुरक्षा

के विभिन्न आयामों से जोड़ना होता है। इसी क्रम में पूरे महीने राजधानी रांची समेत जिले के अलग-अलग इलाकों में कई जागरूकता अभियान चलाए गए। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंड के साथ-साथ नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया गया, ताकि लोग अपनी और दूसरों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार बन सकें।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस मैराथन का खास फोकस बच्चों और युवाओं पर रखा गया। उनका कहना है कि बच्चों के माध्यम से उनके परिवार और समाज तक सड़क सुरक्षा का संदेश आसानी से पहुंचाया जा सकता है। यदि बच्चे ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक होंगे, तो वे अपने घर और आसपास के लोगों को भी सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। यही कारण है कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित की गई।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रैफिक अवेयरनेस कैंपेन लगातार चलाया जा रहा है। इसके जरिए लोगों को बताया जा रहा है कि हेलमेट और सीटबेल्ट सिर्फ चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जान बचाने के लिए जरूरी हैं। साथ ही, शराब पीकर वाहन चलाने, मोबाइल फोन के इस्तेमाल और तेज रफ्तार से होने वाले खतरों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। रोड सेफ्टी मैराथन 2026 ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि यदि समाज का हर वर्ग जागरूक हो और ट्रैफिक नियमों का पालन करे, तो सड़क दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी लाई जा सकती है। इस आयोजन ने राजधानी रांची में सड़क सुरक्षा को लेकर एक सकारात्मक और जिम्मेदार माहौल बनाने की दिशा में मजबूत कदम रखा।

अवैध शराब के खिलाफ उत्पाद विभाग ने की कड़ी कार्रवाई

रांची, एजेंसी। रांची जिले में अवैध शराब के नेटवर्क पर उत्पाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए चार इलाकों में एक साथ छापेमारी कर पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान 280 लीटर अवैध स्प्रिट और 50 लीटर चुलाई शराब जब्त की गई है। मुख्य आरोपी श्याम कुमार को हेथू गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। सहायक आयुक्त उत्पाद, रांची के निर्देश पर प्राप्त शिकायत और गुप्त सूचना के आधार पर यह विशेष अभियान चलाया गया। जगन्नाथपुर थाना और एयरपोर्ट थाना क्षेत्र अंतर्गत शहीद मैदान, मौसी बाढ़ी, लटमा और हेथू गांव में एक साथ छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान हेथू गांव से श्याम कुमार को 280 लीटर अवैध स्प्रिट के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा अन्य चार अभियुक्तों को भी अवैध उत्पाद सामग्री के साथ हिरासत में लिया गया। सभी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व उत्पाद दारोगा प्रदीप शर्मा ने किया।विभागीय अधिकारियों के अनुसार जब्त स्प्रिट और चुलाई शराब का उपयोग बड़े पैमाने पर अवैध शराब निर्माण में किया जाना था।

संक्षिप्त समाचार

मेयर और 55 वार्ड पार्षदों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

धनबाद, एजेंसी। नगर निकाय चुनाव के धनबाद नगर निगम के मेयर और 55 वार्ड पार्षद के लिए नामांकन गुरुवार की सुबह 10 बजे से आरंभ हो गया। इसको लेकर उपायुक्त कार्यालय में पूरी तैयारी कर ली गई है। सुबह 9 :30 बजे से ही सदर अनुमंडल पदाधिकारी धनबाद लोकेश बारंगे उपायुक्त कार्यालय में तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। मेमको मोड़ से लेकर निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय तक का उन्होंने निरीक्षण किया। नामांकन को लेकर सुरक्षा पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया गया है। उपायुक्त कार्यालय के अंदर अत्यधिक भीड़ न हो और चुनाव के अलावा अन्य कामों में बाधा न पहुंचे इसका विशेष ख्याल रखा गया है। इसके लिए सबसे पहले मेमको मोड़ और निरंकारी चौक पर बैरियर लगाया गया है। यहां से प्रत्याशियों के केवल तीन वाहनों को ही आगे जाने की अनुमति है। इसके अलावा दूसरा बैरियर उपायुक्त कार्यालय के मुख्य गेट पर है। प्रत्याशियों को अपना वाहन यहीं छोड़ना होगा। इसके बाद वे अपने प्रस्तावक और अधिवक्ता के साथ ही अंदर जा पाएंगे। इन जगहों पर पुलिस की तैनाती की गई है। धनबाद नगर निगम के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल गुरुवार को अपना नामांकन करेंगे। नामांकन से पूर्व वे झरिया के श्री श्याम मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद समर्थकों के साथ उपायुक्त कार्यालय धनबाद के लिए रवाना होंगे। इस बीच वे धनबाद के शक्ति मंदिर में पूजा करेंगे।

एसीबी ने निलंबित आईएएस विनय चौबे के सीए उपेंद्र शर्मा से दिन भर की पूछताछ

रांची, एजेंसी। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को निलंबित आइएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे के चार्टर्ड अकाउंटेंट उपेंद्र शर्मा से दिनभर पूछताछ की। एसीबी ने उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर सीए उपेंद्र शर्मा से चौबे व उनके रिश्तेदारों के नाम पर अर्जित करोड़ों की चल-अचल संपत्ति की जानकारी ली। चार्टर्ड अकाउंटेंट उपेंद्र शर्मा ही विनय कुमार चौबे के आय, निवेश व संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों का लेखा-जोखा संभाल रहे हैं। एसीबी ने उपेंद्र शर्मा से पूछा कि वे विनय कुमार चौबे से कब जुड़े थे। उन्हें विनय कुमार चौबे व उनके रिश्तेदारों की चल-अचल संपत्ति के बारे में कितनी जानकारी है। चौबे ने कहां-कहां और किस-किस मद में निवेश किया है। एसीबी को उपेंद्र शर्मा से कुछ जानकारियां मिली है। संभावना है कि चौबे से आगे भी एसीबी पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि एसीबी ने गत वर्ष 24 नवंबर को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। इस प्राथमिकी में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे के अलावा उनकी पत्नी स्वप्ना संचिता, ससुर सत्येंद्र नाथ त्रिवेदी, साला शिपिज त्रिवेदी, सरहज प्रियंका त्रिवेदी, सहयोगी विनय सिंह व विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह को नामजद आरोपित बनाया गया था। दर्ज प्राथमिकी में आरोप है कि विनय चौबे ने पद का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की काली कमाई की। उसे अपने व रिश्तेदारों के नाम पर चल-अचल संपत्ति में निवेश किया। रिश्तेदारों व सहयोगियों के माध्यम से करोड़ों रुपये का निवेश किया। शेल कंपनियां संचालित कराई। इन्हीं सभी बिंदुओं पर चार्टर्ड अकाउंटेंट उपेंद्र शर्मा से एसीबी ने भ्रष्टाचार की कड़ी तलाशने की कोशिश की है।

अवैध खनन भंडारण और परिवहन के खिलाफ चांडिल में बड़ी कार्रवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड के चांडिल अनुमंडल में अवैध खनन, भंडारण और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार, 28 जनवरी 2026 को सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त नितिश कुमार सिंह के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) की टीम ने किया। टीम ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर अवैध रूप से जमा किए गए बालू और अवैध उत्खनन के मामलों का खुलासा किया। औचक निरीक्षण के दौरान तिरुलडीह थाना के सपादा और सिरकाडीह में बड़ी मात्रा में अवैध बालू का भंडारण पाया गया। जांच के बाद करीब 1,10,000 घनफीट अवैध बालू को विधिवत जब्त किया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह बालू बिना किसी वैध अनुमति के भंडारित किया गया था। जब्ती की कार्रवाई के बाद बालू को सरकारी अभिरक्षा में लिया गया है और आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी दौरान तिरुलडीह थाना क्षेत्र के सिरकाडीह में मिट्टी खनिज का अवैध उत्खनन करते हुए एक जेसीबी मशीन पकड़ी गई। टीम ने मशीन को मौके पर ही जब्त कर लिया और तिरुलडीह थाना को सौंप दिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मशीन किसकी है और इसके जरिए कब से अवैध खनन किया जा रहा था। इस मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।जिला खनन विभाग की टीम ने ईचागढ़ थाना क्षेत्र के मौजा सोड़ो जारगोडीह में भी औचक निरीक्षण किया। यहां लगभग 45,000 घनफीट अवैध बालू भंडारण पाया गया। जांच के बाद इस बालू को भी विधिवत जब्त कर लिया गया।

कुत्ते का जूठा प्रसाद खाने के बाद आफत में 200 लोगों की जान

अस्पताल में डॉक्टर नदारद, खुद करना पड़ा रजिस्ट्रेशन

धनबाद-टुंडी, एजेंसी। कुत्ते का जूठा प्रसाद खाने से लोधरिया के 200 से अधिक ग्रामीण बीमार हो गए। इसमें बुजुर्ग से लेकर छोटे बच्चे की काफी संख्या है। ऊपर से स्वास्थ्य विभाग की बेरुखी से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। दिन भर गांव के लोग एंटी रेबीज वैक्सीन लेने के लिए स्वास्थ्य केंद्रों के चक्कर काटते रहे।

गांव में 23 जनवरी को सरस्वती पूजा को लेकर बुंदिया, चुड़ा व अन्य फलों की प्रसाद बनाई गई थी। इस बीच कुछ कुत्ते ने आकर प्रसाद जूठा कर दिया था। पूजा पंडाल के बच्चों ने जूठा होने की बात छुपा ली थी।

फिर गांव में लगभग 200 लोगों के बीच प्रसाद वितरण कर दिया। इस बीच बात लीक हो गई, जूठा होने की सूचना मिलने पर लोग डर गए। टुंडी के प्रभारी डॉ। श्रवण कुमार को इसकी जानकारी ली। डॉ। श्रवण ने सभी को एंटी रेबीज वैक्सीन लेने की सलाह दी। इसके बाद काफी संख्या में लोग उमड़ गए। यहीं से विभाग की कलई भी खुल गई।

पहले दिन 27 जनवरी को लोधरिया में 30 लोगों को टीका लगाया गया। दूसरे दिन लोधरिया में टीका खत्म हो गया। इसके बाद सदर अस्पताल धनबाद से 50 वैक्सीन मांगे गए। बुधवार को टुंडी सीएचसी में 50 लोगों को टीका लगाया गया।

ग्रामीणों के अनुसार 200 लोगों को टीका की जरूरत है। लोगों की मांग को देखते हुए सीएचसी प्रभारी ने मुख्यालय से लगभग 200 वैक्सीन की मांग की है। बुधवार को टुंडी सीएचसी में लोगों को बुला तो लिया गया, लेकिन यहां कोई व्यवस्था नहीं थी। इस कारण दिन भर लोग परेशान रहे। लोगों ने बताया कि यहां डॉ। श्रवण कुमार समेत अन्य डाक्टर गायब थे। एक दो चिकित्सा कर्मी ही उपस्थित थे।

मरीजों का निबंधन करने के लिए भी कर्मचारी नहीं थे। यहां एकलौता चिकित्सक डॉ। रित्विक लोचन थे। बच्चे भूख और प्यास से बिलखने लगे, इससे लोगों के सब्र का बांध टूट गया। सीएचसी में हंगामा होने लगा। पीड़ितों के साथ आए लोगों ने खुद रजिस्टर निकालकर पीड़ितों का नाम लिखना शुरू किया। लोगों ने बताया कि यहां रहना तो दूर इस अस्पताल में ड्यूटी पर सिर्फ एक डॉक्टर आते हैं। डा। श्रवण कुमार प्रखंड मुख्यालय की जगह धनबाद शहर में रहते हैं।

टुंडी के अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद बरनवाल ने बताया कि सभी सरकारी कर्मियों को मुख्यालय में रहना अनिवार्य है। यह सरकार का निर्देश है। अंचल अधिकारी ने बताया कि इस मामले में वह उप विकास आयुक्त से बात कर उन्हें पूरी जानकारी देंगे।

कांग्रेस ने बीजेपी पर लगाया शहरी निकाय चुनाव में बाधा डालने का आरोप!

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पर किये गए एक पोस्ट से कांग्रेस खासा नाराज है। कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं महासचिव राकेश सिन्हा ने बाबूलाल मरांडी को पीसी-सोशल मीडिया और पोस्ट करने भर वाला नेता करार देते हुए कहा कि अब उनकी राजनीति और बयानबाजी को कोई गंभीरता से नहीं लेता है। राकेश सिन्हा ने कहा कि दरअसल बीजेपी और उसके नेता शुरू से ही शहरी निकाय चुनाव में तरह तरह से बाधा डालने की कोशिश करते रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि बीजेपी और उसके नेता चाहते ही नहीं थे कि झारखंड में शहरी निकाय चुनाव हो, इसलिए पहले उन्होंने भी निकाय चुनाव बाधित करने के हथकंडे अपनाएं लेकिन जब हमारी सरकार ने ट्रिपल टेस्ट कराकर, ओबीसी आरक्षण रोस्टर बनाकर निकाय चुनाव का राह प्रशस्त किया तो बाबूलाल मरांडी बेचैन हैं, उन्हें बताना चाहिए कि यदि 2024 के मतदाता सूची से ही चुनाव कराया जाएगा तो उससे बाबूलाल को क्या दिक्कत है?

'जानकारी मिल रही है कि झारखंड में नगर निकाय का चुनाव अक्टूबर 2024 की मतदाता सूची के आधार पर कराए जाने की तैयारी है। नगर निकाय चुनाव उसी वोटर लिस्ट से होगा, जिससे विधानसभा चुनाव हुए थे। यानी 1 अक्टूबर 2024 से पहले जुड़े वोटर ही वोट कर सकेंगे। इस स्थिति में पिछले 15 महीनों में मतदाता सूची में शामिल हुए नए मतदाता तथा वे मतदाता जिन्होंने अपना नाम एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कराया है, नगर निकाय चुनाव में अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे।

यह सर्वविदित है कि मतदाता सूची का वार्षिक/अर्द्धवार्षिक पुनरीक्षण नियमित रूप से होता है। इसके बावजूद यदि पुरानी मतदाता सूची के आधार पर चुनाव कराए जाते हैं, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत होगा।

3 फरवरी से शुरू होंगी मैट्रिक-इंटरमीडिएट परीक्षाएं, 87 केंद्रों पर 64,966 परीक्षार्थी होंगे शामिल

रांची, एजेंसी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जेएसी) द्वारा आयोजित मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 को लेकर रांची जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इस संबंध में समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार सहित सभी परीक्षा केंद्रों के अधीक्षक और संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष, कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा की पवित्रता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनुशासनहीनता या अनियमितता सामने आने पर संबंधित अधिकारी या कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 03

फरवरी से शुरू होकर 23 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएंगी। माध्यमिक परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 09:45 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक होगी, जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा द्वितीय पाली में अपराह्न 02:00 बजे से 05:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रश्न-पत्र वितरण के लिए 05 मिनट का अतिरिक्त समय निर्धारित किया गया है, वहीं प्रश्न-पत्र पढ़ने और समझने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय मिलेगा।

रांची जिले में माध्यमिक परीक्षा के लिए कुल 87 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 32,723 परीक्षार्थी शामिल होंगे। ये केंद्र जिला मुख्यालय, अनुमंडल मुख्यालय और विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों में स्थित हैं। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए जिले में 52 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें 32,243 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। ये केंद्र मुख्य रूप से जिला मुख्यालय, बुंडू अनुमंडल तथा खलारी और सिल्ली प्रखंडों में बनाए गए हैं। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों, स्कूल-कॉलेज प्रबंधन, केंद्राधीक्षकों और परीक्षार्थियों से परीक्षा से जुड़े सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की।

संजीव ने ठोकी मेयर पद की दावेदारी, धनबाद नगर निगम चुनाव हुआ दिलचस्प

धनबाद, एजेंसी। धनबाद नगर निगम चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक बिसात बिछनी शुरू हो गई है। झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह ने आधिकारिक तौर पर धनबाद के मेयर पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है।

इस संबंध में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को पत्र भेजकर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। संजीव सिंह की इस दावेदारी के बाद धनबाद की राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

प्रदेश अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में संजीव सिंह ने खुद को भाजपा का निष्ठावान और समर्पित कार्यकर्ता बताया है। उन्होंने उल्लेख किया कि वे शुरू से ही संगठन की विचारधारा और राष्ट्रसेवा के प्रति अडिग रहे हैं।

संजीव सिंह ने विश्वास जताया कि यदि पार्टी उन पर भरोसा जताती है, तो वे धनबाद शहर के सर्वांगीण विकास, बुनियादी सुविधाओं को धरातल पर उतारने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

संजीव सिंह ने अपनी दावेदारी के पीछे अपनी मजबूत राजनीतिक विरासत और सामाजिक अनुभव का भी उल्लेख किया है। गौरतलब है कि संजीव सिंह का परिवार दशकों से धनबाद की राजनीति के केंद्र में रहा है।

संजीव सिंह के पिता स्व. सूर्यदेव सिंह चार बार

विधायक रह चुके हैं। उनकी माता कुंती देवी ने भी दो बार विधानसभा में झरिया का प्रतिनिधित्व किया है।

वर्तमान में उनकी पत्नी रागिनी सिंह झरिया विधानसभा से भाजपा विधायक के रूप में जनसेवा कर रही हैं। संजीव सिंह ने बताया कि बीसीसीएल से जुड़े विभिन्न श्रमिक संगठनों के माध्यम से वे मजदूरों के हक के लिए लगातार सक्रिय हैं, जिससे उन्हें जमीनी स्तर की समस्याओं और चुनौतियों की गहरी समझ है।

पत्र के अंत में संजीव सिंह ने पार्टी नेतृत्व से मार्गदर्शन और समर्थन की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक अनुशासित सिपाही के नाते वे संगठन के हर निर्णय और निर्देश का पूर्ण रूप से पालन करेंगे।

मौत को टक से छूकर लौट आए नोवामुंडी के बीडीओ साहेब, चुनावी ड्यूटी पर जाने के दौरान खाई में गिरते-गिरते बची गाड़ी

रांची, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी प्रखंड के बीडीओ (प्रखंड विकास पदाधिकारी) पप्पू रजक उस समय मौत को छूकर टक से वापस लौट आए, जब उनकी सरकारी गाड़ी झाड़ियों में घुस गई। वे नगर निकाय चुनाव से जुड़े काम को पूरा करने के लिए चाईबासा जा रहे थे। रास्ते में टोंटो प्रखंड क्षेत्र के सूरज बासा पास के पास अचानक सामने आए एक दोपहिया वाहन को बचाने के प्रयास में ड्राइवर ने गाड़ी मोड़ी, जिससे वाहन संतुलन खो बैठा और सीधे झाड़ियों में जा घुसा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी सड़क से फिसलकर झाड़ियों में चली गई और दो बड़े पेड़ों के बीच फंस गई। राहत की बात यह रही कि झाड़ियों के ठीक पीछे गहरी खाई थी, लेकिन वाहन वहां तक नहीं पहुंच पाया। यदि गाड़ी कुछ फीट और आगे बढ़ जाती, तो यह सीधा खाई में गिर सकती थी और बड़ा, जानलेवा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। इस दुर्घटना में सरकारी वाहन को काफी नुकसान पहुंचा है। बीडीओ पप्पू रजक और उनके साथ मौजूद कर्मियों को कोई गंभीर चोट नहीं आई। बताया जा रहा है कि बीडीओ और उनके सहयोगियों को अंदरूनी चोटें लगी हैं, लेकिन उनकी हालत खतरे से बाहर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर गाड़ी पेड़ों के बीच नहीं फंसती, तो परिणाम बेहद भयावह हो सकता था।हादसे की सूचना मिलते ही टोंटो प्रखंड के बीडीओ, संबंधित थाना के थाना प्रभारी और स्थानीय मुखिया तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों के सहयोग से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। झाड़ियों में फंसी गाड़ी से पहले बीडीओ और उनके सहकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद टोचन और ग्रामीणों की मदद से वाहन को झाड़ियों से बाहर निकाला गया।घटना की जानकारी मिलने के बाद जगन्नाथपुर के अंचल अधिकारी (सीओ) मनोज कुमार मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और बीडीओ पप्पू रजक की हालत की जानकारी ली।

गिरिडीह में ट्रक की टक्कर से वृद्ध की मौत

गिरिडीह, एजेंसी।

गिरिडीह नगर थाना क्षेत्र के पदम चौक स्थित लाइन मस्जिद मोड़ पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पार कर रहे 58 वर्षीय वृद्ध को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रानीडीह-भोरानडीहा निवासी चिंतामन दास के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार चिंतामन दास मांग-छान कर किसी तरह जीवन यापन करते थे।

रोज की तरह वे सुबह घर से निकले थे। इसी दौरान लाइन मस्जिद मोड़ के पास तेज गति से आ रहे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वृद्ध ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

घटना की सूचना फैलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने मुआवजे और दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर लाइन मस्जिद मोड़ और पदम चौक को जाम कर दिया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आवागमन पूरी तरह

ठप हो गया। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

हालात बिगड़ते देख गिरिडीह नगर थाना पुलिस अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया और निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिया। काफी देर तक चली समझाइश के बाद लोग जाम हटाने को राजी हुए, तब जाकर यातायात सामान्य हो सका।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हादसे में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। ट्रक चालक को हिरासत में लेकर नगर थाना लाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में लापरवाही से वाहन चलाने की बात सामने आई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

उधर, घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने प्रशासन से उचित मुआवजा देने और दोषी चालक पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

यूजीसी के नए इक्विटी नियम 2026 पर देशभर में विरोध, झारखंड के विश्वविद्यालयों में भी बढ़ा आक्रोश

रांची, एजेंसी। उच्च शिक्षा में समानता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नए उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम 2026 अब देशभर में बहस और असंतोष की वजह बनते जा रहे हैं। 13 जनवरी से लागू इन नियमों को जहां एक वर्ग शैक्षणिक सुधार और सामाजिक न्याय की दिशा में अहम कदम बता रहा है, वहीं दूसरी ओर जनरल कैटेगरी के छात्रों और शिक्षकों के बीच इसे लेकर गहरी नाराजगी और आशंकाएं उभरकर सामने आ रही हैं।

इन नियमों का असर झारखंड के विश्वविद्यालयों में भी साफ तौर पर देखा जा रहा है। रांची विश्वविद्यालय, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी समेत अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों और इंस्टिट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज के विद्यार्थियों ने नियमों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया है।

छात्रों का कहना है कि समानता के नाम पर लाए गए ये नियम कहीं न कहीं विश्वविद्यालय परिसरों में असमानता और वैचारिक टकराव को बढ़ावा दे सकते हैं। विरोध कर रहे छात्रों की दलील है कि नए इक्विटी नियमों से विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विभिन्न वर्गों के छात्रों के बीच आपसी विश्वास

कमजोर हो सकता है। उनकी आशंका है कि इससे छात्र एक-दूसरे को सहयोगी की जगह प्रतिद्वंद्वी या दुश्मन के रूप में देखने लगेंगे, जिससे शैक्षणिक माहौल प्रभावित होगा।

छात्रों का यह भी कहना है कि योग्यता, अवसर और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। सिर्फ छात्र ही नहीं, बल्कि शिक्षकों के एक वर्ग ने भी इन नियमों को लेकर चिंता जताई है। शिक्षकों का कहना है कि एसटी, एससी या ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने या पढ़ाई से जुड़ी किसी कमी पर डांट-फटकार लगाने में भी उन्हें डर सताएगा कि कहीं इसे भेदभाव के रूप में न देखा जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई न हो जाए। इससे शिक्षक-छात्र संबंधों में असहजता बढ़ने और शिक्षण प्रक्रिया बाधित होने की आशंका जताई जा रही है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े वर्तमान और पूर्व छात्रों ने भी इन नियमों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि समानता का उद्देश्य स्वागत योग्य है, लेकिन नियम ऐसे होने चाहिए जो सभी वर्गों को साथ लेकर चलें और किसी भी समूह में असंतोष न पैदा करें।

कई छात्रों ने सुझाव दिया है कि सरकार और यूजीसी को इन नियमों को लागू करने से पहले सभी हितधारकों छात्रों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय प्रशासन से व्यापक संवाद करना चाहिए था। विरोध कर रहे छात्रों और संगठनों ने केंद्र की मोदी सरकार से इस दिशा में पुनर्विचार की मांग की है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते नियमों में संतुलन नहीं लाया गया, तो विश्वविद्यालय परिसरों में शैक्षणिक माहौल प्रभावित होने के साथ-साथ सामाजिक तनाव भी बढ़ सकता है। यूजीसी के नए इक्विटी नियम 2026 फिलहाल समानता से ज्यादा असहमति और सवालों के घेरे में नजर आ रहे हैं।

हजारीबाग के 32 आंगनबाड़ी केंद्रों के रिपेयरिंग टेंडर पर सवाल,

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग जिले में पांच प्रखंड के 32 आंगनबाड़ी केंद्रों की रिपेयरिंग के लिए 19 से 21 जनवरी 2026 के बीच टेंडर निकाले गए। करीब 2।5 करोड़ रुपये की लागत से आंगनबाड़ी केंद्रों की रिपेयरिंग का ठेका भी दे दिया गया। लेकिन, अब टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर ही सवाल उठाए जा रहे हैं। नियम के तहत टेंडर प्रक्रिया को पारदर्शी नहीं होने पर कई ठेकेदारों ने ही गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

ठेकेदारों का आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया के दौरान नियमों का पालन नहीं किया गया। बताया जा रहा है कि 19 से 21 जनवरी के बीच कलेक्टरेट के दूसरे तले पर एनआरईपी ऑफिस में बड़ी संख्या में ठेकेदार पहुंचे थे। इस दौरान कई ठेकेदारों से नियम से अधिक कागजात मांगे गए और उन्हें तकनीकी आधार पर बाहर कर दिया गया। आरोप है कि देर शाम चहेते ठेकेदारों को कार्य आवंटित कर दिया गया, जिससे विभाग को संभावित राजस्व हानि भी हुई है। अधिकांश ठेकेदारों ने पूरे मामले की हाई लेवल जांच की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में बैंक यूनियनों ने किया प्रदर्शन

पटना, एजेंसी। शनिवार, रविवार और सोमवार को गणतंत्र दिवस के छुट्टी के बाद चौथे दिन मंगलवार को भी हड़ताल की वजह से बैंकिंग कार्य ठप रहे। राजधानी पटना समेत राज्य भर में सार्वजनिक क्षेत्र, ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंकों के शाखाओं में राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण ताले लटके रहे और बैंकिंग सेवाएं लगभग बंद रहीं। कारोबारियों, ग्राहकों और छोटे व्यवसायों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव डीएन त्रिवेदी ने बताया कि बिहार में लगभग 50,000 करोड़ से अधिक का बैंकिंग कारोबार प्रभावित हुआ है। क्योंकि नगद लेन-देन, चेक क्लीयरेंस, ड्राफ्ट तैयार करना और आरटीजीएस-नेफ्ट जैसी अहम सेवाएं ठप रहीं। हालांकि पटना में एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, बंधन बैंक समेत कई निजी क्षेत्र की बैंकिंग शाखाओं के शटर खुले हुए थे। इन बैंकों के कर्मी अंदर में काम भी कर रहे थे। लेकिन, ग्राहकों की संख्या कम रही। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर कर्मचारियों ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और सभी शनिवार छुट्टी की मांग को लेकर यह हड़ताल की। मार्च 2024 में भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के साथ समझौते में पहले ही इस मुद्दे पर सहमति बनी थी, लेकिन सरकार ने आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की। बैंकिंग यूनियनों का कहना है कि सभी शनिवार की छुट्टी के बदले हर दिन 40 मिनट ज्यादा काम करने पर भी सहमति बनी थी।

छपरा में गड्ढे में गिरी दो सहेलियों की हुई मौत, अईठा चुनते समय हुआ हादसा

छपरा, एजेंसी। सारण जिले के खैरा थाना क्षेत्र के खानपुर गांव में मंगलवार दोपहर दो युवतियों की गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब दोनों युवतियां अईठा (घोंघा) चुनने के लिए गड्ढे के किनारे गई थीं और संतुलन बिगड़ने के कारण गहरे पानी में गिर गईं।मृतकों की पहचान धर्मनाथ महतो की 20 वर्षीय पुत्री प्रियंका कुमारी और विश्वनाथ महतो की 19 वर्षीय पुत्री सिंकी कुमारी के रूप में हुई है। दोनों युवतियां सहेलियां बताई जा रही हैं। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा और परिजनों में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गड्ढे के किनारे मिट्टी गीली होने के कारण दोनों का पैर फिसल गया। आसपास मौजूद लोगों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार यह गड्ढा सड़क निर्माण के दौरान जेसीबी द्वारा खोदा गया था, जिसे भरने का काम नहीं किया गया, जिससे पानी भर गया और यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलने पर खैरा थाने के थानाध्यक्ष अखिलेश पासवान और अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। दोनों शवों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना प्रतीत होती है।

किशनगंज में दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग:

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में शहर में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए हैं। बुधवार को डेमार्केट ओवर ब्रिज के पास बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े एक 65 वर्षीय वृद्ध महिला से सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, वहीं लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। पीड़ित महिला की पहचान रूईधासा निवासी इति घोष (65) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, इति घोष डेमार्केट से दवा खरीदने के बाद डेमार्केट ओवर ब्रिज के पास स्थित एक साइबर कैफे की ओर जा रही थीं। इसी दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार युवक महिला के आगे बढ़े और जैसे ही महिला ओवर ब्रिज के पास पहुंची, बाइक पर पीछे बैठे युवक ने अचानक महिला को धक्का दिया और उनके गले से सोने की चेन झपट ली। घटना इतनी अचानक हुई कि महिला कुछ समझ पाती, इससे पहले ही बदमाश तेजी से फरार हो गए। बाइक सवार दोनों युवक डुमरिया ओवर ब्रिज की ओर भाग निकले। वृद्ध महिला के अनुसार, बदमाशों की संख्या दो थी और दोनों युवक बाइक पर सवार थे। चेन छीने जाने के बाद महिला मौके पर ही चिल्लाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर घटनास्थल पर जमा हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ स्थानीय लोगों ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन तब तक वे काफी दूर निकल चुके थे। भीड़ बढ़ने के साथ ही घटना की सूचना सदर थाना की पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाकों में जांच शुरू की। पुलिस ने संभावित रास्तों पर चेक पोस्ट भी लगाया, लेकिन तब तक बदमाश पुलिस की पकड़ से बाहर हो चुके थे। पुलिस को दिए गए बयान में पीड़िता इति घोष ने बताया कि बाइक पर सवार दो युवक वारदात को अंजाम देकर फरार हुए हैं। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने बेहद चालाकी से घटना को अंजाम दिया और कुछ ही सेकंड में मौके से भाग निकले।घटना के बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। डेमार्केट और ओवर ब्रिज के आसपास कई निजी और सरकारी प्रतिष्ठानों में कैमरे लगे हुए हैं, जिनके फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि बदमाशों की पहचान की जा सके।

सीएम नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के दौरान

समस्तीपुर वासियों को दी बड़ी सौगात

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दूसरे चरण की समृद्धि यात्रा के तहत आज समस्तीपुर पहुंच चुके हैं। उन्होंने समस्तीपुरवासियों को 827 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। इसमें 470 करोड़ रुपये की लागत से 71 योजनाओं का शिलान्यास किया। वहीं 273.02 करोड़ की लागत से 74 योजनाओं का शुभारंभ और 83.29 करोड़ रुपये की लागत से 43 योजानाओं का काम शुरू करवाया। इसके बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने एनडीए सरकार के कामों को गिनाया। उन्होंने 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। लालू-राबड़ी राज की याद दिलाते हुए कहा कि याद है ना पहले क्या स्थिति थी? पहले बहुत बुरा हाल था? लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। समाज में कितना विवाद होता था, कितना हिन्दू-मुस्लिम झगड़ा होता था? पढ़ाई का क्या हाल था? बहुत कम बच्चे पढ़ते थे, बहुत कम पढ़ाई होती थी। पहले इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था। सड़कें बहुत कम थी और जो थी उनका बुरा हाल था।

सीएम नीतीश ने कहा कि हम लोगों के पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया था। उन्होंने लालू

प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने मुख्यमंत्री पद से हटा तो अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनवा दिया। उनलोगों ने किसी के लिए कुछ नहीं किया, महिलाओं के लिए भी कभी कुछ नहीं किया।बिजली बहुत कम जगह थी। शुरू से ही बिहार के विकास का काम हो रहा है। अब किसी प्रकार के डर एवं भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का माहौल है।

'2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गयी' : सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि शुरू से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य में बड़े पैमाने पर सड़कों, पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। वर्ष 2015 में सात निश्चय के तहत हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय तथा टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम पूरा हो गया है। वर्ष 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गयी। सरकार द्वारा शुरू से ही बहुत सस्ती दर पर बिजली दी गयी। अब लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त दी जा रही है।

महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत काम हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अगले 5 वर्षों (2025-2030) में कई कार्य कराये जायेंगे। सरकार द्वारा पहले कार्यकाल 2005-2010 तक, दूसरे कार्यकाल 2010-2015 तक, तीसरे कार्यकाल 2015-2020 तथा चौथे कार्यकाल 2020-2025 को मिलाकर चारों कार्यकाल में हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत काम हुआ है। अब विकास की गति को और तेज किया जायेगा। केन्द्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए सात निश्चय 3 का गठन किया गया है।

भागलपुर में गाड़ी की टक्कर से चाचा-भतीजा जख्मी,

बाजार से लौट रहे थे दोनों बाइक सवार

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के स्नोहला थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसा हुआ। कमालपुर पेट्रोल पंप के पास गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार चाचा-भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (मायागंज) में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घायलों की पहचान आजमपुर गांव निवासी गौरव कुमार (17) और उनके चाचा जितेंद्र यादव (30) के रूप में हुई है। दोनों स्नोहला बाजार से सामान खरीदकर एक ही बाइक पर अपने गांव लौट रहे थे। कमालपुर पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात हाइवा वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत स्नोहला थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। उन्होंने घायलों को तत्काल स्नोहला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया।

मायागंज अस्पताल में इलाजरत दोनों घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए हैं। स्नोहला थानाध्यक्ष ने बताया कि यह दुर्घटना अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है। फरार वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है।

नवादा में करंट से युवक की मौत :खेत में खाद डालते समय तार की चपेट में आने से हुआ हादसा

नवादा, एजेंसी। नवादा के नारदीगंज थाना क्षेत्र में बिजली के करंट की चपेट में आने से एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना कहुआरा गांव के भट्ठा हाट स्थित एक खेत में खाद डालते समय हुई। मृतक की पहचान कहुआरा गांव निवासी स्व. लखन राजवंशी के पुत्र अशोक राजवंशी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, अशोक राजवंशी दोपहर करीब 1 बजे अपने घर से खेत में खाद डालने निकले थे। भट्ठा हाट के समीप अपने गेहूं के खेत में खाद डालते समय वह खेत में गिरे बिजली के तार के संपर्क में आ गए। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। कुछ देर बाद जब उनकी पत्नी पूनम देवी खेत में पहुंचीं, तो उन्होंने अशोक को जमीन पर गिरा हुआ पाया। उनके शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। अशोक को तत्काल सीएचसी नारदीगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एएसआई दुर्गानंद ठाकुर सहित अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया।

मृतक अशोक राजवंशी के परिवार में उनकी पत्नी पूनम देवी, तीन पुत्र अंकित कुमार, दिलखुश कुमार, गोलू कुमार और एक पुत्री करीना कुमारी हैं। सरपंच नागेंद्र कुमार सिन्हा, पूर्व मुखिया राकेश कुमार, शिक्षक देवेंद्र कुमार और रूपलाल मांझी सहित कई ग्रामीण सीएचसी पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। स्थानीय नेताओं और ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से आपदा प्रबंधन कोष से पीड़ित परिवार को क्षतिपूर्ति देने की मांग की है। बताया गया है कि अशोक राजवंशी अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे।

2 फरवरी से शुरू होगी इंटरमीडिएट की परीक्षा

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में 2 फरवरी से 13 फरवरी तक इंटरमीडिएट वार्षिक सैद्धांतिक परीक्षा आयोजित होगी। इसको लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा के शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में समीक्षा भवन में केंद्र अधीक्षकों और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं और सुरक्षा उपायों को अंतिम रूप दिया गया। इस साल भागलपुर जिले में कुल 59 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें सदर अनुमंडल में सर्वाधिक 40 केंद्र, नवगछिया अनुमंडल में 10 और कहलगांव अनुमंडल में 9 परीक्षा केंद्र शामिल है।

पहली पाली की परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को सुबह 9 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी, जबकि द्वितीय पाली के लिए यह समय दोपहर 1:30 बजे निर्धारित किया गया है। तय समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सख्त नियम लागू किए गए हैं। केंद्र अधीक्षक के अलावा किसी भी अधिकारी, कर्मी या परीक्षार्थी को मोबाइल फोन रखने की अनुमति नहीं होगी।

परीक्षा अवधि के दौरान केंद्र परिसर में फोटो स्टेट मशीन, कॉपीयर, डुप्लीकेटर जैसी मशीनों का उपयोग

पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार को छोड़कर सभी पार्श्व अथवा पीछे के द्वारों को सुबह 8 बजे से परीक्षा समाप्ति तक बंद रखने का निर्देश दिया गया है।

परीक्षार्थियों के लिए भी डीएम ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा केंद्र में जूता-मोजा पहनकर प्रवेश वर्जित रहेगा। परीक्षार्थियों को केवल चप्पल पहनकर ही केंद्र में प्रवेश करना होगा। परीक्षा कक्ष में एक बेंच पर अधिकतम दो परीक्षार्थियों को बैठाया जाएगा, ताकि अनुशासन और निगरानी बनी रहे। परीक्षा के दौरान किसी भी आपात स्थिति या शिकायत के समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय रहेगा। यह नियंत्रण कक्ष अनुमंडल कार्यालय, सदर भागलपुर परिसर स्थित सभाकक्ष में संचालित किया जाएगा।

नियंत्रण कक्ष की जिम्मेदारी अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी वंदना कुमारी को सौंपी गई है, जिनके साथ अन्य पदाधिकारी भी तैनात रहेंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त परीक्षा कराना है, ताकि परीक्षार्थी बिना किसी दबाव के परीक्षा दे सकें।

कटिहार में 50 हजार की पॉकेटमारी:कपड़ा खरीदारी के दौरान महिला सीसीटीवी में कैद

कटिहार, एजेंसी। कटिहार के कुरसेला थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरसेला हाट की कपड़ा पट्टी में बुधवार को पैकेटमारी की एक बड़ी घटना सामने आई है। दिनदहाड़े भीड़भाड़ वाले बाजार में कपड़ा खरीदारी के दौरान अज्ञात महिला पॉकेटमार ने एक ग्राहक की जेब से 50 हजार रुपये निकाल लिए और मौके से फरार हो गई। घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई।

कपड़ा खरीदने आए थे पीड़ित, जेब से गायब हो गया पैकेट

पीड़ित की पहचान जालंधर पासवान, निवासी दमैली पासवान टोला, थाना मीरगंज, जिला पूर्णिया के रूप में हुई है। जालंधर पासवान कुरसेला हाट की कपड़ा पट्टी स्थित खेरिया निवासी राजकिशोर साह की दुकान पर कपड़ा खरीदारी कर रहे थे। इसी दौरान उनके साथ यह वारदात हुई।

पीड़ित के अनुसार, उन्होंने अपनी जेब में 50 हजार रुपये का बंडल रखा हुआ था। कपड़ा पसंद करने के बाद जब दुकानदार को रुपये देने के लिए जेब टटोली गई, तो पैकेट से रुपये गायब थे।

घटना के बाद आसपास के लोगों के सहयोग से खोजबीन की गई, लेकिन पैकेटमार का कोई सुराग नहीं मिला। बाद में जब दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच

की गई तो एक महिला को पीड़ित की जेब से रुपये निकालते और तेजी से भागते हुए स्पष्ट रूप से देखा गया। सीसीटीवी फुटेज में महिला की गतिविधियां कैद हो गई हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही कुरसेला हाट की कपड़ा पट्टी में हड़कंप मच गया। दुकानदारों और ग्राहकों में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार में भीड़ का फायदा उठाकर पॉकेटमार गिरोह सक्रिय है, जो मौका पाकर लोगों को निशाना बना रहा है। लोगों ने पुलिस से बाजार क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित जालंधर पासवान ने कुरसेला थाना में लिखित आवेदन देकर घटना की जानकारी दी है। आवेदन में उन्होंने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रुपये की बरामदगी और दोषी महिला की गिरफ्तारी की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि 50 हजार रुपये उनके लिए बड़ी रकम थी, जिसे वे जरूरी घरेलू खर्च के लिए लेकर आए थे।

घटना की सूचना मिलने के बाद कुरसेला थाना की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को अपने कब्जे में लेकर महिला की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आसपास के अन्य दुकानों और बाजार के प्रवेश व निकास मार्गों पर लगे कैमरों की भी जांच की जा रही है, ताकि महिला के भागने के रास्ते और पहचान का पता लगाया जा सके।

दिनदहाड़े बाजार में हुई इस पैकेटमारी की घटना ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि कुरसेला हाट में नियमित पुलिस गश्त की जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके। फिलहाल पुलिस का दावा है कि जल्द ही पैकेटमार महिला को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व वरिष्ठ नेता शकील अहमद द्वारा राहुल गांधी पर बयान को लेकर कांग्रेस में टकराव

कटिहार, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व वरिष्ठ नेता शकील अहमद द्वारा राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर पार्टी के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। इस बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक शकील अहमद खान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि ऐसे बयान न केवल तथ्यहीन हैं, बल्कि पार्टी के संघर्ष को कमजोर करने वाले भी हैं।

पूर्व विधायक शकील अहमद खान ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय से ही पूर्व सांसद के बयानों को लेकर कांग्रेस पार्टी के भीतर लगातार टकराव की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार दिए जा रहे बयान न तो तथ्यों पर आधारित हैं और न ही उनका सच्चाई से कोई लेना-देना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान पार्टी के भीतर भ्रम पैदा करते हैं और आम कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जाता है।

मौजूदा राजनीतिक हालात पर टिप्पणी करते हुए शकील अहमद खान ने कहा कि आज देश में सरकार के खिलाफ मजबूत संघर्ष की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप

लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में संविधान और उसके संरक्षण पर लगातार हमले हो रहे हैं।

पूर्व विधायक के अनुसार, संविधान की मूल भावना के साथ लगातार छेड़छाड़ की जा रही है, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील समय में पार्टी को एकजुट होकर संघर्ष को धार देने की जरूरत है, लेकिन इसके उलट निराधार आरोप लगाकर भटकाव पैदा किया जा रहा है।

शकील अहमद खान ने कहा कि देश में किसान, महिलाएं और युवा वर्ग गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। किसान अपनी फसलों के उचित मूल्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं, महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं और युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही तय करने के बजाय अगर कांग्रेस के भीतर ही इस तरह के बयान दिए जाएंगे, तो इसका सीधा फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इन बयानों से सबसे ज्यादा खुशी भाजपा को हो रही है।

यूजीसी के नए नियमों से जुड़े एक सवाल पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शकील अहमद खान ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसरों में आज भी जातीय सूचक शब्दों का प्रयोग किया जाता है, जिससे संबंधित वर्गों को गहरी मानसिक पीड़ा होती है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय हजारों वर्षों से सामाजिक उत्पीड़न का शिकार रहा है और उन्हें जातीय आधार पर पीछे रखा गया। यही वजह है कि सामाजिक समानता स्थापित करने के लिए आरक्षण जैसी नीतियां लाई गईं।

पूर्व विधायक ने कहा कि जब ओबीसी आरक्षण लागू हुआ था, तब भी उसका विरोध किया गया। बाद में पदोन्नति में आरक्षण का मुद्दा आया, तो उस पर भी सवाल खड़े किए गए। उन्होंने कहा कि आरक्षण का मूल उद्देश्य किसी वर्ग को विशेषाधिकार देना नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही सामाजिक गैर-बराबरी को खत्म करना है।

शकील अहमद खान ने जोर देकर कहा कि समाज में बराबरी और सामाजिक न्याय स्थापित करने के लिए ठोस और ईमानदार प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा हमेशा से संविधान, समानता और सामाजिक न्याय के पक्ष में रही है और पार्टी को इसी रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने अंत में कहा कि कांग्रेस के भीतर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से निराधार बयान देकर पार्टी और आंदोलन को कमजोर करना उचित नहीं है।

दरभंगा में दो पक्षों में पत्थरबाजी के बाद 17 गिरफ्तार

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में दो पक्षों के बीच पत्थरबाजी और मारपीट हुई थी। जिसमें दोनों ओर से पुलिस ने कुल 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल इलाके में शांति है, पुलिस बल को तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

दरअसल, रविवार को सरस्वती पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान अश्लील गाना बजाने को लेकर कहासुनी हुई थी। जिसके बाद स्थानीय लोगों की पहल पर मामले को उस समय शांत करा दिया गया था, लेकिन सोमवार शाम 4 बजे फिर से माहौल तनावपूर्ण हो गया।

गुलजार नाम युवक तेज आवाज वाली बुलेट बाइक लेकर ताता टोल के एक दरवाजे के पास खड़ा हो गया। वहां बच्चे खेल रहे थे। बुलेट की आवाज से बच्चे घबरा गए थे। जब बच्चों के अभिभावकों ने युवक को समझाने का प्रयास किया, तभी बात बढ़ गई और देखते-ही-देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। कुछ ही देर में पथराव होने लगा, जिससे पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। मामला अलीनगर प्रखंड के जयंतीपुर तांती टोल की है।घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए।

संक्षिप्त समाचार

औषधीय-सुगंधित खेती बदलेगी किसानों की तकदीर

लखनऊ , एजेंसी। किसानों की आय बढ़ाने, वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने और ग्रामीण उद्यमिता को मजबूती देने के उद्देश्य से केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप) में 30 और 31 जनवरी को राष्ट्रीय किसान मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले का केंद्र बिंदु औषधीय व सुगंधित फसलें, मूल्य संवर्धन, महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण स्वरोजगार रहेगा। मेला संयोजक डॉ. संजय कुमार ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि आयोजन किसानों, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत और नीति निर्माताओं के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त मंच बनेगा। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक 20 से अधिक राज्यों से करीब पांच हजार किसानों के आयोजन में शामिल होने की संभावना है। मेले में किसानों को औषधीय व सुगंधित पौधों की खेती से लेकर कटाई के बाद प्रबंधन, प्रसंस्करण, मार्केटिंग और जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। एरोमा मिशन के तहत विकसित सफल मॉडल भी प्रदर्शित किए जाएंगे। महिलाओं को अगरबत्ती, गुलाब जल जैसे उत्पादों के निर्माण का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने बताया कि शुक्रवार को राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक डॉ. धीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में किसानों को संबोधित करेंगे। 31 को सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन. कलैसेल्वी मुख्य अतिथि रहेंगी।

बीच बाजार तमंचा लहराकर दबंगई, शराब के लिए पैसे न देने पर युवक को पीटा

हमीरपुर, एजेंसी। हमीरपुर जिले की मौदहा कोतवाली पुलिस ने बीच बाजार दबंगई और तमंचा लहराकर मारपीट करने के मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों की यह पूरी वारदात कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि तीन युवकों में से एक के हाथ में तमंचा है, जिसे वह कमर में खोंसता दिख रहा है। यह मामला मौदहा कोतवाली कस्बे में थाना चौराहा के पास का है, जहां बुधवार शाम अपाचे बाइक सवार तीन युवकों ने सिजवाही गांव निवासी दो युवकों के साथ मारपीट की थी। मारपीट के दौरान एक आरोपी की कमर से तमंचा गिर गया था, जिसे उसने उठाकर दोबारा अपनी कमर में खोंस लिया था। इस पूरी घटना को दूर खड़े एक व्यक्ति ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। पीड़ित पक्ष राहुल सिंह और शिवम सिंह की नामजद तहरीर पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अरबाज, मुहम्मद सलमान और फरीद उद्दीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित राहुल सिंह का आरोप है कि वह अरविंद की दुकान के पास खड़ा था, तभी आरोपी अपाचे बाइक से वहां पहुंचे और शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगे। पैसे देने से इनकार करने पर तीनों ने मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपियों ने तमंचे की बट से भी हमला किया था।

राज चौहान हत्याकांड: आगरा पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई, मुख्य आरोपी अरबाज ढेर

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना ट्रांस यमुना स्थित एसएन स्टे गेस्ट हाउस में जेल से छूटे आरोपी राज चौहान की गोली मारकर हत्या करने के दो आरोपियों आशु तिवारी और मोहित पंडित को बुधवार देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। ट्रांस यमुना और डौकी इलाके में हुई मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गए। वहीं तीन आरोपी अरबाज खान उर्फ मंसूरी, विष्णु पंडित, आकाश प्रजापति मौका पाकर भाग गए। हालांकि पुलिस ने देर रात उनकी घेराबंदी कर ली। पुलिस ने मुख्य आरोपी अरबाज को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद तमंचे की बरामदगी के लिए ले जाते समय टेड़ी बगिया क्षेत्र में कांशीराम आवास के पास आरोपी ने उपनिरीक्षक की सरकारी पिस्टल छीन ली और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में आरक्षी मनोज कुमार और उपनिरीक्षक ऋषि घायल हो गए, जबकि थाना प्रभारी ट्रांस यमुना हरेन्द्र गुर्जर और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप के बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अरबाज खान को छाती और दाहिने पैर में गोली लगी। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घायल पुलिसकर्मियों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार अरबाज खान का आपराधिक इतिहास भी रहा है। घटना 23 जनवरी को हुई थी। ट्रांस यमुना इलाके में जलेसर मार्ग पर एसएन स्टे गेस्ट हाउस है। सादाबाद के गांव बेदई निवासी राज चौहान की सात गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। वह दो दिसंबर को ही जेल से छूटकर आया था।

मार्क्सवादी दीपांकर बोले- माफियाओं के बजाय

गरीबों के घरों पर चल रहा बुलडोजर

मिर्जापुर, एजेंसी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन की तरफ से बुधवार को सिटी क्लब में आदिवासी वनाधिकार और भूमि अधिकार संघर्ष को लेकर जनसभा का आयोजन हुआ। सभा में वनाधिकार कानून, 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग उठाई। भाकपा (माले) लिबरेशन के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड दीपांकर भट्टाचार्य ने भाकपा माले के राज्य सचिव सुधाकर यादव तथा मिर्जापुर सचिव जीरा भारती समेत दलित आदिवासियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की निंदा की। कहा ये गिरफ़्तारियां किसी क़ानून के उल्लंघन के कारण नहीं, बल्कि वनाधिकार आंदोलन को कमज़ोर करने के उद्देश्य से की गई थीं।

दीपांकर भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि जिस बुलडोज़र को राजनीतिक रूप से भू-माफ़िया के ख़िलाफ़ कार्रवाई का प्रतीक बताया जाता है, वही बुल्डोजर ग़रीबों, भूमिहीनों और आदिवासियों के खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा वनाधिकार की मांग करने वाले आदिवासियों को अतिक्रमणकारी बताया जा रहा है, जबकि बड़े पैमाने पर हो रहे वन विनाश और कॉर्पोरेट हितों की अनदेखी की जा रही है।

यह वनाधिकार क़ानून की सीधी अवहेलना है। उन्होने कहा भाजपा की सरकार पुलिसिया दमन के बावजूद भाकपा माले के जुझारू संघर्ष के कारण सुधाकर यादव समेत तमाम साथियों को रिहा करना पड़ा। कहा पार्टी ने बिना डरे लड़ कर बुलडोजर को पीछे धकेला।

यह लड़ाई इस देश के संविधान और स्वाभिमान को बचाने की है। सभा में 12 फरवरी को होने वाले देशव्यापी हड़ताल का समर्थन करते हुए 23 फरवरी को लखनऊ में विधानसभा घेरने का आवाहन किया गया। अध्यक्षता सुरेश कोल व संचालन ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने किया। सभा को कृष्णा अधिकारी, रामजी राय, जयप्रकाश नारायण, कुसुम वर्मा, मनीष कुमार, सुनील मौर्य आदि मौजूद रहे।

वनाधिकार आंदोलन को कमजोर करने साजिश है नेताओं पर कार्रवाई: दीपांकर : लालगंज के तेंदुई खुर्द में नेताओं की गिरफ़्तारी किसी कानून के उल्लंघन के कारण नहीं, बल्कि वनाधिकार आंदोलन को कमज़ोर करने के उद्देश्य से की गई थीं। यह बातें भाकपा (माले) लिबरेशन के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने बुधवार को सिटी क्लब में पत्रकार वार्ता में कही।

भाकपा (माले) लिबरेशन के राष्ट्रीय महासचिव कहा, हमारे नेताओं को इसलिए गिरफ़्तार नहीं किया गया क्योंकि उन्होंने कोई ग़लत काम किया, बल्कि इसलिए किया गया क्योंकि वे उन आदिवासी समुदायों की आवाज़ बनकर खड़े हैं, जिन्हें संसद द्वारा बनाए गए वनाधिकार क़ानून के तहत अधिकार प्राप्त हैं।

दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि हाल के वर्षों में श्रम क़ानूनों और ग्रामीण रोज़गार से जुड़े ढाँचों में किए गए बदलाव एक ही दिशा की ओर संकेत करते हैं, जहां सामूहिक अधिकारों को कमज़ोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड काल में बड़े पैमाने पर हुए पलायन के दौरान मनरेगा ने ग्रामीण गरीबों को सहारा दिया था और ज़रूरत इस क़ानून को मज़बूत करने की थी, न कि उसे कमज़ोर करने की।

राष्ट्रीय महासचिव ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के ज़रिए मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में लोगों के नाम काटे जाने पर भी चिंता व्यक्त की। कहा कि सत्यापन के नाम पर ग़रीब और हाशिए पर खड़े नागरिकों को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को सांप्रदायिक रंग देकर ख़तरनाक माहौल बनाया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से बंगाली भाषी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 4.61 करोड़ रुपये हड़पे

लखनऊ , एजेंसी। महिगवां थाने में बाराबंकी के घुंघटेर निवासी राकेश कुमार ने लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट सोसाइटी के सीएमडी समीर अग्रवाल और छह अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि पांच साल में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर करीब 100 से अधिक लोगों से चार करोड़ 61 लाख रुपये हड़प लिए गए।

राकेश कुमार ने बताया कि उन्हें कुछ साल पहले सोसाइटी के बारे में जानकारी मिली थी। पड़ताल करने पर पता चला कि कंपनी आईएसओ प्रमाणित और सेबी में पंजीकृत है। कंपनी का कार्यालय गाजियाबाद में और प्रशासनिक दफ्तर इंदौर में है। बताया गया कि सीएमडी मुंबई निवासी समीर और फंड मैनेजर आरके शेट्टी हैं।

कंपनी लोन, एफडी और ग्राहक सेवा केंद्र खुलवाने जैसे कार्य करती थी। बाराबंकी में कंपनी की कोषाध्यक्ष माया सिंह और उनके पति उत्तम सिंह दफ्तर का संचालन करते थे। उन्हें पांच साल में रकम दोगुनी करने का लालच दिया गया। झांसे में आकर कई लोगों को कमीशन पर एजेंट बनाया गया और उनके नाम से ग्राहक सुविधा केंद्र खुलवा दिए गए। पीड़ितों ने महिगवां सहित संडीला, दुबग्गा, इटौंजा व अन्य इलाकों में केंद्र खोले। राकेश के अलावा 36 अन्य लोगों ने करीब चार करोड़ 61 लाख रुपये निवेश किए। समय पूरा होने पर रकम वापस मांगने पर कंपनी अफसरों ने धमकी दी। पुलिस से शिकायत के बाद भी केस दर्ज न होने पर कोर्ट की शरण ली गई। कोर्ट के आदेश पर महिगवां थाने में सीएमडी समीर अग्रवाल, जालौन निवासी शबाब हुसैन रिजवी, फंड मैनेजर आरके शेट्टी, बाराबंकी निवासी संतोष कुमार, विनोद कुमार वर्मा, उत्तम सिंह राजपूत और उनकी पत्नी माया सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।इंस्पेक्टर के अनुसार, कंपनी के खिलाफ बाराबंकी समेत अन्य जिलों व राज्यों में 30 मामले दर्ज हैं।

आग लगा लो पिता मान जाएंगे: आपत्तिजनक फोटो नहीं थी वजह...

गोरखपुर , एजेंसी। मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए बयान में किशोरी ने बताया कि वह मोहल्ले के रहने वाले 17 वर्षीय किशोर से छह साल से प्रेम संबंध में थी। प्रेमी उससे शादी करना चाहता था लेकिन उसके पिता इस रिश्ते के खिलाफ थे। किशोरी के मुताबिक, प्रेमी ने उससे कहा था कि अगर वह खुद को आग लगा लेगी तो उसके पिता शादी के लिए मान जाएंगे।

गोरखनाथ थाना क्षेत्र में अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी से तंग आकर आत्मदाह की कोशिश करने वाली किशोरी के मामले में मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज बयान ने पूरे प्रकरण की दिशा बदल दी है। किशोरी ने मजिस्ट्रेट के बयान में स्पष्ट किया है कि अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी से नहीं बल्कि प्रेमी के कहने पर उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाई थी ताकि उससे शादी हो सके। किशोरी और उसके घरवालों ने पहले प्रेमी के परिजनों पर जिंदा जलाने का आरोप लगाया था। मजिस्ट्रेट के सामने बयान के आधार पर पुलिस ने 17 वर्षीय किशोर प्रेमी को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भिजवा दिया।

वहीं, मामले में अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। फिलहाल किशोरी का इलाज मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, किशोरी का करीब 65 प्रतिशत शरीर जल चुका है। मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए बयान में किशोरी ने बताया कि वह मोहल्ले के रहने वाले 17 वर्षीय किशोर से छह साल से प्रेम संबंध में थी। प्रेमी उससे शादी करना चाहता था लेकिन उसके पिता इस रिश्ते के खिलाफ थे। किशोरी के मुताबिक, प्रेमी ने उससे कहा था कि अगर वह खुद को आग लगा लेगी तो उसके पिता शादी के लिए मान जाएंगे।

इसी भरोसे में आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। किशोरी ने बयान में कहा कि आग लगाने से पहले उसकी प्रेमी से कोई बातचीत नहीं हुई थी लेकिन पहले वह कई बार शादी को लेकर आश्वासन देता रहा। उसने यह भी बताया कि पूरे परिवार को उनके प्रेम संबंध की जानकारी थी।

बहू-बेटे ने बुजुर्ग मां के दांत-पसलियां तोड़ी, पुलिस ने इंसाफ की जगह कमरे में जड़ा ताला

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में नौ महीने का दर्द सहकर बेटे को जन्म दिया। इसके बाद अंगुली पकड़कर उसे चलना सिखाया, आज उसी बेटे ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर बुजुर्ग मां के चार दांत और पसलियां तोड़ दीं। जिस बेटे के दांत निकलने पर मां खुशी के सागर में समा गई होगी, उसी बेटे ने झोली में असहनीय पीड़ा भर दी। बेटे ने तो पसलियां तोड़ीं, न्याय के लिए कई बार थाने के चक्कर काटने वाली मां की उम्मीद तब टूट गई, जब पुलिस ने बहू-बेटे का साथ देकर उनके कमरे में ताला डलवा दिया। मामला बिठूर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से शिकायत की तो हरकत में आई बिठूर थाना पुलिस ने आरोपी बेटे-बहू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

चार दांत और तीन पसलियां टूट गईं : बहलोलपुर मंधना गांव निवासी मीरा त्रिवेदी (67) पत्नी शिवप्रकाश ने पुलिस को बताया कि बेटा नवनीत और बहू उनको पीटते हैं। घर में रहने नहीं देते। बेटे और बहू ने उन्हें इतनी बुरी तरह से पीटा कि चार दांत और तीन पसलियां टूट गईं। इस कारण हैलट के आईसीयू में उनका इलाज किया गया, तब उनकी जान बच सकी।

कमरे पर बेटे-बहू से ताला लगवा दिया : आरोप है कि बिठूर थाने पहुंचकर कई बार बेटे-बहू के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने उनके कमरे पर बेटे-बहू से ताला लगवा दिया। पीड़िता के अनुसार, उनके व पति के पास न तो पहनने के लिए कपड़े हैं और न ही सोने के लिए बिस्तर हैं। दोनों लोग मकान के ऊपरी कमरे में रहने लगे।

नीचे का कमरा खुलवाने की गुहार लगाई : बार-बार जीने चढ़ने और उतरने में परेशानी के चलते अब दंपती ने पुलिस कमिश्नर से नीचे का कमरा खुलवाने की गुहार लगाई है। बिठूर इंस्पेक्टर प्रेमनारायण विश्वकर्मा ने बताया कि सीपी के आदेश पर बेटे नवनीत और उसकी पत्नी पर जानबूझकर चोट पहुंचाने और मारपीट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सुनवाई स्थल पर पहुंचे लोगों के बैठने की व्यवस्था के निर्देश

लखनऊ , एजेंसी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत ड्राफ्ट नामावलियों के प्रकाशन के बाद नोटिसों के निस्तारण के लिए चल रही सुनवाई प्रक्रिया का जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुनवाई स्थल पर पहुंचे लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विधानसभा क्षेत्र लखनऊ पूर्व के अंतर्गत विकास भवन स्थित बीआरसी व एईआरओ के सुनवाई केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी नेडा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के कार्यालयों में चल रही सुनवाई प्रक्रिया देखी। अधिकारियों ने बताया कि नोटिसों के सापेक्ष नियमित रूप से सुनवाई की जा रही है और संबंधित डेटा अपलोडिंग का कार्य भी किया जा रहा है।

शिक्षामित्र हत्याकांड: 15 लाख की जमीन और बेटी के बदलते बयान; करीबी के इर्द-गिर्द घूमी जांच की सुई

उन्नाव , एजेंसी। उन्नाव जिले में गोकुलपुर गांव में महिला शिक्षामित्र की मंगलवार की रात मारकर हत्या कर दी गई। मामले में जांच करने गई पुलिस के सामने मृतक शिक्षामित्र की बेटी ने दो बार बयान बदले। पुलिस को पता चला कि करीब डेढ़ महीने पहले पति ने 15 लाख रुपये में एक बीघा जमीन बेची थी। पुलिस उस बिंदु पर भी जांच कर रही है।

बेटी रिया ने पहले पुलिस को बताया कि मां बाथरूम से लौट रही थीं, तब सीने में सामने से गोली मारी गई। गोली मारने वाले को उसने भागते हुए देखा। कुछ देर बाद उसने बताया कि गोली की आवाज सुनकर जब आंखें खोलने का प्रयास किया, तो धुंधलापन दिख रहा था ऐसा लग रहा था आंखों में कुछ डाल दिया गया हो। पिता और बेटी के बयानों में भी अंतर मिला है।

15 लाख रुपये में बेची थी जमीन : पूछताछ में यह भी सामने आया कि पति ने 15 लाख रुपये में जमीन बेची थी। पुलिस इस संभावना पर भी विचार कर रही है कि परिवार के किसी सदस्य को इस पैसे की जानकारी थी और लूट के इरादे से घुसे व्यक्ति ने देख लिए जाने पर घटना को अंजाम दिया हो। यह भी पता चला है कि जमीन बेचने के बाद ओमकार अक्सर शराब और मीट पार्टी के लिए एक व्यक्ति के घर जाता था, जिसका श्रीकांति विरोध करती थीं।

सात फरवरी को है जेठ के बेटे की शादी : मृतका श्रीकांति के जेठ राजेंद्र ने बताया कि सात फरवरी को उनके बेटे की शादी होनी है और घर में तैयारियां चल रही थीं। इस दुखद घटना ने सारी खुशियों पर ग्रहण लगा दिया है। शादी आगे बढ़ाई जाएगी या नहीं यह अभी तय नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि वे चार भाई हैं और सभी के बीच कुल 16 बीघे जमीन है जिसमें से एक बीघा जमीन श्रीकांति के पति ने बेची है। राजेंद्र का कहना है कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

ये है पूरा मामला : जिले में गोकुलपुर गांव में महिला शिक्षामित्र की मंगलवार की रात मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पर एसपी, सीओ ने फॉरेंसिक टीम के साथ जांच की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि गोली करीब एक मीटर दूर से मारी गई है। एक गोली गले में मारी गई जो खोपड़ी से पार हो गई। दूसरी गोली सीने में दाहिने तरफ मारी गई जो लिवर में फंसी मिली। पुलिस को घर में कुछ कारतूस भी मिले हैं।

लघुशंका के लिए उठी थीं : पुलिस को पति पर ही हत्या का शक है। असोहा थाना क्षेत्र के गोकुलपुर गांव की श्रीकांति रावत (39) पत्नी ओमकार रावत गांव के ही स्कूल में 20 साल से शिक्षामित्र थीं। घर में पति और 13 साल की बेटी रिया है। बड़ा बेटा रौनक अचलगंज थाना के कोरारी कला गांव में नाना के यहां रहकर पढ़ाई करता है। बेटी रिया ने बताया कि मंगलवार की रात करीब एक बजे मां लघुशंका के लिए उठी थीं, तभी उन्हें गोली मार दी गई।

शराब की दुकान के पास अन्नपूर्णा भवन बनने से नाराजगी

मलिहाबाद, एजेंसी। तहसील क्षेत्र के पकरा बाजार गांव में अन्नपूर्णा भवन (सरकारी राशन की दुकान) का निर्माण शराब की दुकान के निकट होने से नाराज ग्रामीणों ने बुधवार को तहसील परिसर में प्रदर्शन किया।

ग्रामीण विनीता ने बताया कि जहां पर अन्नपूर्णा भवन बनाया जाने के लिए भूमि का चयन हुआ है, वहां पर शराब की दुकान है, जहां शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। उनका कहना है कि गांव की महिलाएं व बेटियां राशन लेने दुकान जाएंगी तो असुरक्षित महसूस करेंगी। साथ ही गांव की 80 फीसदी आबादी से काफी दूर भवन बनेगा, जिससे दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

इस संबंध में आपूर्ति विभाग मलिहाबाद के सप्लाई इंस्पेक्टर वीर पाल ने बताया कि प्रधान व राजस्व विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई भूमि पर अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कराया जाएगा। पुलिस प्रशासन व एसडीएम के आश्वासन पर प्रदर्शनकारी शांत हुए।

शासन को अभी तक नहीं मिला प्रशांत सिंह का इस्तीफा

बीमारी को लेकर भी हुआ नया खुलासा

लखनऊ , एजेंसी। यूजीसी विनियम 2026 के खिलाफ और शंकाराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के इस्तीफे के बाद अयोध्या में राज्य कर विभाग के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व मुख्यमंत्री के समर्थन में इस्तीफे का एलान कर दिया। सूत्रों के मुताबिक प्रशांत का इस्तीफा शासन और राज्य कर आयुक्त कार्यालय को नहीं मिला है। इस्तीफा मिलने पर फैसला लिया जाएगा। शासन ने प्रशांत कुमार सिंह की पूरी रिपोर्ट राज्य कर आयुक्त से तलब की है जिसमें उनके खिलाफ जांच समेत सभी बिंदु शामिल हैं। दरअसल, डिप्टी कमिश्नर के भाई डॉ. विश्वजीत सिंह ने आरोप लगाया है कि उन्होंने फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र के सहारे नौकरी हासिल की है। उनके खिलाफ जांच चल रही है। अब नौकरी जाने, कार्रवाई होने और रिकवरी के डर से उन्होंने इस्तीफा दिया है।

डॉ. विश्वजीत ने बताया कि उन्होंने 20 अगस्त 2021 को प्रशांत के दिव्यांग प्रमाणपत्र की जांच की मांग की थी। इसके बाद मंडलीय चिकित्सा परिषद ने उन्हें दो बार मेडिकल बोर्ड के सामने पेश होने के लिए बुलाया लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। डॉ. विश्वजीत ने सोशल मीडिया पर एक पत्र भी पोस्ट किया है जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रशांत कुमार सिंह के दिव्यांग प्रमाणपत्र की जांच कराने का निर्देश दिया गया था।

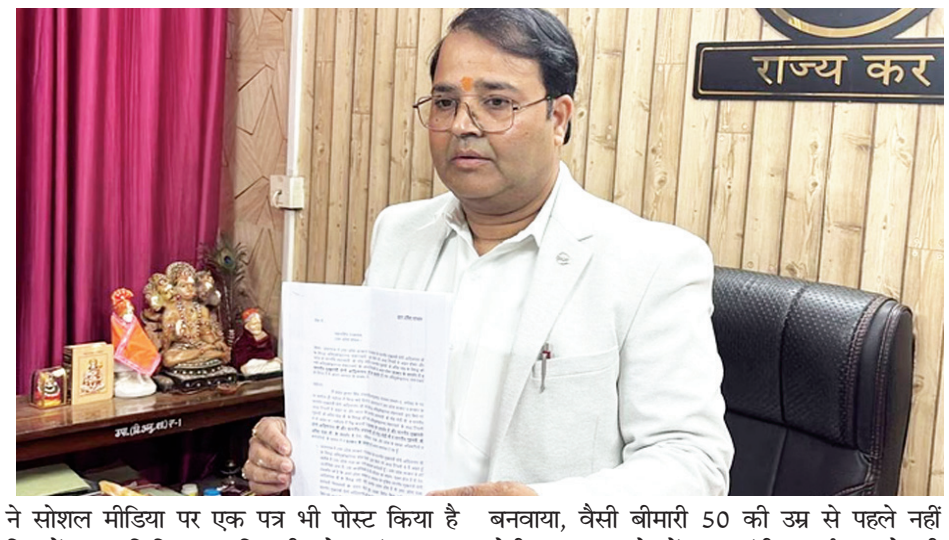

दावा, 50 की उम्र से पहले नहीं होती बताई बीमारी : डॉ. विश्वजीत के मुताबिक, प्रशांत ने आंख की जिस बीमारी को दिखाकर दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाया, वैसी बीमारी 50 की उम्र से पहले नहीं होती। इस मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय से भी शिकायत की गई। मामले में डीजी हेल्थ को साल 2024 में पत्र भी लिखा गया लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि प्रशांत के खिलाफ की गई पहली शिकायत गलत पाई गई थी।

संक्षिप्त समाचार

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के द्वारा थाना गुलाबगंज में दर्ज अपराध क्रमांक 236/2025 की विभिन्न धाराओ के फरार आरोपियों में तखत सिंह पुत्र गोविन्द सिंह दांगी, अतुल पुत्र तखत सिंह दांगी, अरूण पुत्र तखत सिंह दांगी, चैन सिंह पुत्र गोविन्द सिंह दांगी निवासीगण ग्राम बरीघाट थाना गुलाबगंज विदिशा की सूचना देने वालो को क्रमशः एक-एक हजार (एक हजार रूपए प्रत्येक पर) रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

निर्माणाधीन विद्युत सबस्टेशन समय सीमा में पूर्ण किये जाएं

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होने जिले में निर्माणाधीन 33/11 केव्ही सबस्टेशन एवं 33 केव्ही फीडर का कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि घरेलू एवं व्यवसायिक विद्युत आपूर्ति निर्धारित समय सारणी अनुसार सुनिश्चित की जाए। इस दौरान विद्युत कम्पनी के महाप्रबन्धक श्री व्ही.के. बागड़े ने बताया कि वर्ष 2025-26 में 852 खराब ट्रांसफार्मर बदले गये। उन्होने 5 रूपये में विद्युत कनेक्शन प्रदाय करने की योजना की भी जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि विद्युत बकायादारों को बकाया राशि के भुगतान में राहत देने के उद्देश्य से कम्पनी द्वारा समाधान योजना लागू की गई है, जिसमें उपभोक्ता द्वारा बकाया राशि को एक मुश्त या किश्तों में भुगतान की सुविधा दी गई है। इसमें उपभोक्ताओं को सरचार्ज राशि में छूट देने का प्रावधान है। योजना के प्रथम चरण में प्रथम एवं द्वितीय माह में भुगतान करने पर 60 से 100 प्रतिशत अधिभार माफ है, जिसकी समय सीमा 31 जनवरी 2026 है। द्वितीय एवं अंतिम चरण में तीसरे एवं चतुर्थ माह में भुगतान करने पर 50 से 90 प्रतिशत अधिभार माफ होगा, जिसकी समय सीमा में 28 फरवरी 2026 है। उन्होने बताया कि जिले में समाधान योजनार्न्तगत 27099 उपभोक्ताओं से 1548.42 लाख रूपये की राशि जमा कराई जा चुकी है। इस दौरान कम्पनी के मैदानी अधिकारी मौजूद थे।

छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन

विदिशा (निप्र)। जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित भारत पर्व स्थल रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन परिसर में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के साथ-साथ विकास एवं योजनाओं को रेखांकित करने वाले जनसम्पर्क संचालनालय से प्राप्त फोरेक्स शीट पैनल पर प्रिन्टेड और जिला स्तर पर सम्पन्न हुए कार्यक्रमो को रेखांकित करने वाले छायाचित्र का प्रदर्शन प्रदर्शनी में सुव्यवस्थित रूप से किया गया था। जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों स्कूली विद्यार्थियों गणमान्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया है। बच्चों ने जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में पहुंचकर प्रदर्शनी चित्रों के साथ स्वयं की सेल्फी ली और प्रदर्शनी में अपना फोटो देखकर हितग्राही अभिभूत हुए है।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषक संगोष्ठी की गई आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत विकासखंड केसला में कृषि रथ का भ्रमण ग्राम जुझारपुर, भट्टी, और धुरपन में हुआ। इस दौरान कृषक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत खेती, और जैविक खेती की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में नर्मदापुरम के सहायक संचालक कृषि एस एल इवने, डॉ. विनोद कुमार कृषि वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना महतो, जनपद पंचायत सदस्य श्री रविकांत माहला, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुनील उइके, कृषि विस्तार अधिकारी गौरी नंदा गुहे, दीपक चौरे, युक्ता नागले, और दीपक बांसे मौजूद रहे। ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव सहित कई किसान भी शामिल हुए। किसानों ने कृषि वैज्ञानिकों और अधिकारियों से शासन की योजनाओं की जानकारी ली। 24 जनवरी को आयोजित यह संगोष्ठी किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई। वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने किसानों को नेचुरल फार्मिंग, जैविक खेती, उद्यानिकी, पशुपालन, आने वाले सीजन के लिए उचित किस्में और अन्य संबंधित जानकारी प्रदान की।

मंत्री पटेल ने किया जिला अस्पताल नर्मदापुरम एवं सिविल अस्पताल इटारसी का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल नर्मदापुरम एवं सिविल अस्पताल इटारसी का निरीक्षण कर वहां प्रदाय की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर मरीजों, परिजनों, चिकित्सकों तथा अस्पताल प्रबंधन से सीधे संवाद किया। सिविल अस्पताल इटारसी में मंत्री श्री पटेल ने मैटरनिटी वार्ड, सर्जिकल वार्ड तथा ऑपरेशन थिएटर (ओटी) का अवलोकन किया। उन्होंने भर्ती मरीजों से चर्चा कर उपचार व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मरीजों ने अस्पताल प्रबंधन द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया।

दोपहर पश्चात स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ जिला अस्पताल नर्मदापुरम का सघन निरीक्षण किया। अस्पताल के ओपीडी कक्ष के पास उपस्थित मरीजों के परिजनों से चर्चा कर उनके अस्पताल आने का कारण जाना तथा समुचित इलाज मिलने पर संतोष व्यक्त किया।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री आर.आर. पांडे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत, सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कामले, आरएमओ डॉ. गजेंद्र यादव, डॉ. शिवेद्र चंदेल सहित अन्य चिकित्सक एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री पटेल ने इमरजेंसी वार्ड का भी निरीक्षण किया, जहां ग्राम बुधनी से आए सर्पदंश के मरीज का उपचार उनके समक्ष किया जा रहा था। उन्होंने चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की तत्परता की सराहना करते हुए उपचार व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। फार्मेसी वार्ड में उपलब्ध दवाओं की जानकारी भी उन्होंने उपस्थित फार्मासिस्ट से ली। प्रसूति वार्ड में मंत्री श्री पटेल ने प्रसूताओं के साथ आए परिजनों से बातचीत की। परिजनों ने अस्पताल के स्टाफ के व्यवहार एवं सेवाओं की प्रशंसा की।

इस अवसर पर मंत्री ने निर्देश दिए कि मरीजों को उपचार में किसी भी प्रकार की कमी महसूस नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मेल, फीमेल तथा एनआरसीसी सहित सभी वार्डों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि निर्माणाधीन नवीन जिला अस्पताल पूर्ण होने के बाद जिलेवासियों को और भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति हेतु शीघ्र ही भर्ती प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी।

गणतंत्र दिवस की संध्या पर ''भारत पर्व'' का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की संध्या को लोकतंत्र का लोकोत्सव ''भारत पर्व'' का आयोजन रविन्द्र नाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन (ऑडिटोरियम) में सायंकाल आयोजित किया गया था।ग जिला प्रशासन, जनसम्पर्क विभाग एवं स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वराज संस्थान संचालनालय से अनुबंधित कलाकारो के साथ-साथ विदिशा जिले के स्थानीय कलाकारो और शैक्षणिक संस्थाओं के बच्चो द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई जिन्हें दर्शकगण एकटक नजर से देखते रहे। भोपाल की सुनील शुक्रवारे कलामंडली के द्वारा देशभक्ति गीत व भजन की प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई वही सागर की सुश्री प्राप्ति कुर्मी और उनके सहयोगी कलाकारो के द्वार बुदेलखंड क्षेत्र का लोक नृत्य नौरता के अभिनव मंचन को सभी दर्शक एकटक नजर से देखते रहे। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने दीप प्रज्जवलित कर भारत पर्व का विधिवत शुभारंभ किया। जिसमें विदिशा जिले के स्कूली विद्यार्थियों के द्वारा भी देशभक्ति से ओतप्रोत रोचक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई है। जिसमें साकेत शिशु रंजन व साकेत शिशु एमजीएम के ग्रुप द्वारा एकल गीत,

संकल्प से समाधान अभियान के तहत विभिन्न सेवाओं में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। संकल्प से समाधान अभियान के तहत सभी विभाग द्वारा अपनी सेवाओं में प्राप्त आवेदनों की स्वीकृति और समाधान प्राथमिकता से किया जाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में सभी जिला अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में राजस्व, ऊर्जा, कृषि, उद्यानिकी, तकनीकी शिक्षा, श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास इत्यादि विभागों को अपनी सभी सेवाओं में पात्र व्यक्तियों के आवेदन लेकर उनका निराकरण कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की आईडी जनरेट नहीं हुई हैं, उनकी आईडी जनरेट कर आवेदनों के निराकरण में प्रगति लाएं। अभियान की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाएगी। सभी विभाग अभियान में गंभीरता से कार्य करें। अविवादित नामांतरण, बटवारा, सीमांकन इत्यादि आरसीएमएस में दर्ज लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर सभी एसडीएम, तहसीलदारों के प्रकरण का त्वरित और समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की प्रगति की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभागवार समीक्षा की।

उन्होंने शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा कर उनका निराकरण कराएं। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने समयसीमा के प्रकरणों की भी भी विस्तृत समीक्षा कर निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से समीक्षा कर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश प्राचार्य आईटीआई को दिए। उप संचालक कृषि श्री आनंद कुमार बड़ोनिया ने बताया कि जिले में 11 जनवरी से कृषि रथ का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा हैं। अभी तक 433 ग्रामों में रथ का संचालन किया गया हैं। सभी से आग्रह है कि सभी विभाग इसमें सक्रिय सहभागी बने ताकि, ज्यादा से ज्यादा किसान लाभान्वित हो सकें। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं का असर जमीनी स्तर पर दिखना चाहिए, न कि सिर्फ आंकड़ों में : कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं, विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, स्वास्थ्य संस्थाओं की स्थिति, दवाओं की उपलब्धता एवं जनस्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में हैं और इनमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी फील्ड विजिट करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई व्यक्ति स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में परेशान न हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं एवं शासन की योजनाओं का असर जमीनी स्तर पर दिखना चाहिए, न कि सिर्फ आंकड़ों में। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में दवाइयों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को मिशन मोड में संचालित किया जाए तथा अधिक से अधिक मरीजों की समय पर पहचान, जांच और उपचार सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देशित किया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए, विशेषकर स्न्हष्ट, ह्नस्न्रष्ट एवं अन्य विशेष इकाइयों में संसाधनों एवं मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य केवल उपचार नहीं बल्कि समय पर रोकथाम, जागरूकता और गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करना है। बैठक में बताया गया कि सीहोर जिले की कुल जनसंख्या 15,93,268 है तथा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु विभिन्न स्तरों पर संस्थागत ढांचे का विकास किया गया है। जिले में ब्लड बैंक, ब्लड स्टोरेज यूनिट, जिला अर्ली इंटरवेंशन सेंटर , न्यूट्रीशन रिहैबिलिटेशन सेंटर , न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट , स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट तथा पीडियाट्रिक आईसीयू जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य इकाइयाँ कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त किया जा रहा है। बैठक में अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक जिले के स्वास्थ्य गतिविधियों की समीक्षा की गई। स्न्हष्ट सीहोर के अंतर्गत नवजात शिशुओं के उपचार एवं देखभाल सेवाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी नोटिफिकेशन, टेस्टिंग स्थिति, निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत डीबीटी वितरण, एक्स-रे सेवाओं की स्थिति तथा टीबी मरीजों को प्रदाय की जाने वाली फूड बास्केट योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सभी विकासखंडों में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, फील्ड स्तर पर कार्यरत अमले की कार्यप्रणाली की समीक्षा हो तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचे। कलेक्टर ने कहा कि डेटा आधारित मॉनिटरिंग, पारदर्शिता और जवाबदेही के माध्यम से ही स्वास्थ्य सेवाओं में वास्तविक सुधार संभव है। बैठक में सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया, महिला बाल विकास विभाग के डीपीओ श्री ज्ञानेश खरे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

'नवाचार से तेज होगी विकास की रफ्तार' – कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्ष 2026 में प्रत्येक विभाग अपने स्तर पर नवाचार आधारित कार्ययोजना तैयार करे। उन्होंने कहा कि अब केवल पारंपरिक तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन पर्याप्त नहीं है, बल्कि अधिकारी स्वयं पहल करते हुए विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों में नवीन प्रयोग अपनाएं। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन, जनसुनवाई एवं विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि लंबित आवेदनों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ निपटाएं, ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। श्री गुप्ता ने कहा कि नवाचार के माध्यम से शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इसके लिए तकनीक का उपयोग, स्थानीय संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और विभागों के बीच समन्वय को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने विभाग में कम से कम एक ऐसा अभिनव मॉडल विकसित करें, जिसे जिले में उदाहरण के रूप में लागू किया जा सके। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा फील्ड विजिट बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन जमीनी स्तर पर जाकर ही संभव है। समीक्षा के दौरान संतोषजनक प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों को चेतावनी भी दी गई। कलेक्टर ने दोहराया कि प्रशासन का उद्देश्य केवल लक्ष्य पूर्ति नहीं, बल्कि परिणाम आधारित कार्यप्रणाली अपनाना है।

कलेक्टर की सख्त मॉनिटरिंग – लंबित आवेदनों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों में लंबित आवेदनों के निराकरण की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला एवं खंड स्तर के अधिकारियों से विभागवार जानकारियां प्राप्त की गई है। खासकर लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए क्या-क्या पहल की गई है तथा पिछले एक सप्ताह में कितने आवेदनों का समाधान किया गया।कलेक्टर ने यह भी जाना कि समीक्षा अवधि में कितने नए आवेदन प्राप्त हुए हैं और उन पर एल-वन स्तर पर क्या कार्यवाही की गई है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आवेदन प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। बैठक में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल विषयों से संबंधित लंबित आवेदनों, वरिष्ठ कार्यालयों से सीधे प्राप्त प्रकरणों तथा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की भी विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में देरी प्रशासन की छवि को प्रभावित करती है, इसलिए समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में तकनीकी या विभागीय अड़चनें हैं, उन्हें प्राथमिकता से चिन्हित कर उच्च स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही, समाधान किए गए आवेदनों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आवेदक संतुष्ट हो सके। कलेक्टर श्री गुप्ता ने दोहराया कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध सेवा देना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रामोत्सव का सफल आयोजन

ग्राम सतपाड़ा हाट में सेक्टर स्तरीय ग्रामोत्सव हुआ, ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की

विदिशा (निप्र)। ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश युवा पखवाड़ा के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में चयनित नवांकुर संस्था श्री दुलादेव प्रस्फुटन सेवा समिति वर्धा द्वारा ग्राम सतपाड़ा हॉट में ग्राम उत्सव का सफल आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। अतिथि के रूप में नटेरन जनपद सदस्य श्री सुरेश शर्मा, सतपाड़ा जनपद सदस्य श्री चक्रेश शर्मा, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती पूजा श्रीवास्तव और ब्लॉक समन्वयक भीकम सिंह दांगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद सदस्य सुरेश शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन दर्शन पर अपने विचार सांझा किए और कहा कि विवेकानंद जी ने कहा है कि उठो जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक मत रुको का संदेश आज के युवाओं के लिए सबसे बड़ा मंत्र है।

जिला समन्वयक पूजा श्रीवास्तव ने नशा मुक्त समाज , जैविक खेती व नागरिक शिष्टाचार विषय पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक जीवन में इसके महत्व को रेखांकित किया एवं शिक्षा एवं संस्कार विषय पर ग्रामीणों को प्रेरक जानकारी दी गई। ब्लॉक समन्वयक श्री भीकम सिंह दांगी ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए पंच परिवर्तन व स्वावलंबन एवं सामाजिक समरसता पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन नवांकुर संस्था प्रभारी श्री बाबूलाल धाकड़ ने किया। कार्यक्रम के

पश्चात उपस्थित जन समूह को मतदाता दिवस की शपथ दिलवाई गई। अंत में श्री चक्रेश शर्मा द्वारा सभी अतिथियों सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर ग्राम के प्रबुद्ध व वरिष्ठजन भगवान सिंह रघुवंशी, मलखान सिंह मीणा, नीलेश जैन रामगोपाल मीणा, यशवंत मीणा, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष भूपेंद्र रघुवंशी, प्रकाश मीणा, गोविंद शर्मा, रामस्वरूप विश्वकर्मा, बृजमोहन शर्मा, राकेश सेन, मेंटर्स अभिषेक शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्राम के समग्र विकास पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक चेतना के संदेश को इस कार्यक्रम के माध्यम से सशक्त रूप से जन जन तक पहुंचाया गया।

संपादकीय

मणिपुर में टूट रही है शांति की उम्मीद?

मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विरोध के बाद जारी हिंसा और अराजकता का हल आज तक नहीं निकल सका है। काफी मुश्किल से मणिपुर में हालात थोड़े काबू में आते दिखने लगे थे और इसी वजह से उम्मीद की जाने लगी थी कि वहां जटिल हो चुकी समस्या का अब शायद कोई समाधान निकल सके। मगर राज्य में बीते कुछ दिनों के भीतर जिस तरह हिंसा की एक नई लहर देखी जा रही है, उससे एक बार फिर स्थिति बिगड़ने की आशंका खड़ी हो गई है।

गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले के सोंगलुंग गांव में सोमवार को उग्रवादियों ने कई घरों और फार्म हाउसों में आग लगी दी। यह इलाका कुकी-जो बहुल है और पहले भी कुछ उग्रवादी संगठनों के निशाने पर रहा है। हालांकि आगजनी और हमले में किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह साफ है कि इस वारदात का मकसद जातीय तनाव की आग को भड़काना और राज्य को फिर से अराजकता की आग में झोंकना था।

इसके संकेत भी सामने आए जब कांगपोकपी जिले के एक कुकी संगठन ने सरकार से चौबीस घंटे के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की और ऐसा न होने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। संगठन ने यह भी कहा कि जिले के कुकी बहुल इलाकों के गांवों को जानबूझ कर निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में अगर हालात बिगड़ते हैं तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

अफसोस की बात यह है कि हिंसा की आग से उपजी व्यापक त्रासदी के बावजूद अब भी कोई ऐसा हल सामने नहीं आ सका है, जिससे विवाद और टकराव में शामिल सभी समुदाय सहमत हों और शांति की राह निकल सके। इसके उलट अब

ऐसे मुद्दों पर भी हिंसक गतिविधियां सामने आती दिखने लगी हैं, जो दो समुदायों के बीच दूरी को पाटने की एक कड़ी बन सकती थी। हाल ही में एक कुकी युवती से विवाह करने वाले मैतेई युवक की संदिग्ध उग्रवादियों ने हत्या कर दी। दूसरी ओर, खबरों के मुताबिक, सोंगलुंग गांव में ताजा हमला करने वाले उग्रवादी संगठन का कहना है कि जिस इलाके में घरों और फार्महाउसों को जलाया गया, वहां अफीम की अवैध खेती होती थी। जबकि कुकी-जो संगठनों का कहना है कि सोंगलुंग गांव में कभी अफीम की खेती नहीं हुई और अस्थायी फार्महाउसों के बजाय आवासीय मकानों को जला दिया गया। सवाल है कि अगर कहीं कोई अवैध गतिविधि चल रही है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी प्रशासन की है या उग्रवादी संगठन की? यह छिपा नहीं है कि मई, 2023 से मणिपुर में जारी हिंसा की आग का सबसे बड़ा कारण अलग-अलग स्थानीय समुदायों के बीच कई मसलों पर सीधा टकराव रहा है। हिंसा और अराजकता में अब तक वहां ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए।

मगर अफसोस की बात है कि मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विरोध के बाद जारी हिंसा और अराजकता का हल आज तक नहीं निकल सका है, जबकि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय विवाद में शामिल जातीय संगठनों के बीच कई स्तर पर बातचीत हुई। हैरानी की बात है कि देश के किसी भी इलाके में हिंसा और अराजकता जैसे हालात पर काबू पाने के मकसद से गठित सुरक्षा बलों का तंत्र भी वहां नाकाम दिखता है।

दरअसल, जिन सवालों पर वहां विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा हुआ, सबसे पहले उसका समाधान निकालने की जरूरत है। मगर इसके लिए ईमानदार इच्छाशक्ति की जरूरत है, जिसका फिलहाल राज्य और शासन से लेकर हर स्तर पर अभाव दिखता है।

तेजाब पर रोक, फिर भी हमले जारी

तेजाब से हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, बल्कि गहरा मानसिक और भावनात्मक आघात भी पहुंचता है। कई बार पीड़ित महिलाओं को अवसाद और सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ता है, जो उनके लिए जिंदगी भर का दर्द बन जाता है। सवाल है कि इस तरह के हमलों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? साथ ही पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल रहा है या नहीं, उनके पुनर्वास के लिए सरकारी योजनाओं की स्थिति क्या है और पीड़ितों को उनका लाभ मिल पा रहा है या नहीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनको लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी चिंतित है। यही वजह है कि मंगलवार को शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से तेजाब हमलों से संबंधित मामलों का वर्ष वार ब्योरा, अदालतों में उनकी स्थिति तथा पीड़ितों की मदद के लिए पुनर्वास उपायों का विस्तृत विवरण देने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार से संबंधित कानून में बदलाव पर विचार करने को भी कहा है, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2013 में खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तेजाब से हमले की घटनाओं में थोड़ी कमी देखी गई, मगर पिछले कुछ वर्षों से यह आंकड़ा फिर बढ़ने लगा है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में तेजाब हमलों के 244 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले सामने आए। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 207 हो गया। ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है, तो फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की इस तक पहुंच कैसे संभव हो पा रही है। जाहिर है, कुछ लोग अवैध तरीके से तेजाब की बिक्री करते हैं और सरकारी तंत्र की अनदेखी का दंश कई महिलाओं को झेलना पड़ता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि तेजाब हमले के पीड़ितों एवं उनके परिजनों को कई बार न्याय के लिए वर्षों तक अदालत के चक्कर काटने पड़ते हैं और उनके पुनर्वास की सरकारी योजनाएं भी कागजों तक ही सीमित रह जाती है।

आज का कार्टून

जी राम जी कानून का जिक करते ही विपक्ष का हंगामा

प्रभावशाली नेता थे अजित पवार

देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया। 2019 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है।

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग-अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती।

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का

दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है।

अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है।

देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया।

2019 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी। यही कारण है कि वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे और समर्थकों के भरोसे का केंद्र भी बने। वह जानते थे कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन प्रभाव बनाया जा सकता है। उन्होंने वही किया। विभिन्न लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मैंने खुद देखा कि वह समर्थकों और कार्यकर्ताओं के कितने करीब रहते हैं और सबकी बातें ध्यान से सुनते हैं। यही कारण था कि बारामती में खासतौर पर अजित दादा के नाम का बोलबाला हर जगह देखने को मिलता है।

आज जब उनका जाना अचानक और असमय हुआ है, महाराष्ट्र की राजनीति एक खालीपन महसूस कर रही है। यह खालीपन सिर्फ पद का नहीं, उस अनुभव का है जो दशकों में गढ़ा जाता है। आने वाले समय में यह सवाल और तीखा होगा कि क्या कोई नेता सहकार से सत्ता तक के इस रास्ते को फिर उसी धार और दृढ़ता से तय कर पाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अजित पवार की विरासत विरोधाभासों से भरी रही, लेकिन शायद यही उनकी सच्ची पहचान भी है। वह सरल नहीं थे, पर प्रभावशाली थे। वह आदर्शवादी नहीं थे, पर निर्णायक थे। और इसी वजह से महाराष्ट्र की राजनीति में उनका नाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

हम तुच्छ लाभ की खातिर क्यों कुर्बान बड़े हित करते हैं ?

हम मनुष्य जब तक प्रकृति का ध्यान रखते रहे तब तक प्रकृति भी हमारा ध्यान रखती रही, लेकिन अब जब हम पर्यावरण को तबाह करने पर तुले हैं तो प्रकृति भी तबाही लाने लगी है. ऐसा नहीं है कि प्रो. जी.डी. अग्रवाल मानव जाति के हितों के खिलाफ थे, लेकिन वे देख पा रहे थे कि तात्कालिक फायदों के लिए हम किस तरह से अपने दीर्घकालिक भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मूढ़ताएं आज हमें कितनी भी हास्यास्पद लगें, लेकिन अगर हमने विकास का अपना तरीका नहीं बदला तो हम सबका हाल भी ट्रम्प जैसा ही होना है, क्योंकि एक सीमा के बाद हम स्वार्थ में इतने अंधे हो जाते हैं कि महसूस ही नहीं होता विवेक नाम की भी कोई चीज होती है.

हेमधर शर्मा

उत्तराखंड में सरकार ने लोहारीनाग पाला जलविद्युत परियोजना को बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. 650 करोड़ रु. खर्च होने के बाद बंद की जाने वाली इस परियोजना के खिलाफ पर्यावरणविद्? व आईआईटी प्रोफेसर जी.डी. अग्रवाल ने वर्ष 2018 में ही आमरण अनशन कर 111 दिनों बाद अपने प्राण त्याग दिए लेकिन सरकार का दिल नहीं पसीजा था. अब पिछले दिनों धराली आपदा में सड़क बहने और नदी के बीच बने डायवर्सन को नुकसान पहुंचने के बाद सुरंगें सील करने का फैसला किया गया है.

अगर आईआईटी का प्रोफेसर रह चुका व्यक्ति किसी चीज के लिए अपनी जान की बाजी लगा रहा था तो उसे इतने हल्के में तो नहीं लिया जाना चाहिए था! परंतु शासन की जिस हठधर्मिता को रोकने के लिए प्रकृति को धराली जैसी आपदा लाकर सैकड़ों लोगों की जान लेनी पड़े, वह सिर्फ एक व्यक्ति की मौत की कीमत पर रुक भी कैसे सकती थी! 650 करोड़ रु. पानी में जाना मामूली बात नहीं है लेकिन जब हमें पता हो कि परियोजना पूरी होने के बाद कितनी जबर्दस्त तबाही मचती तो शायद यह नुकसान भी कम लगता है. हमें जानना चाहिए कि बांध सिर्फ पानी ही नहीं रोकते, जलीय जीवों के पूरे जीवन-चक्र को बाधित कर देते हैं. प्रो.

अग्रवाल की चिंता थी कि हिल्सा मछली, जो बंगाल की खाड़ी से ऊपर तक यानी गंगोत्री और बद्रीनाथ तक अंडे देने जाती है, बांध बनने के बाद ऊपर कैसे जा पाएगी? इसी तरह गंगा में पाई जानेवाली विशेष डॉल्फिन अब नीचे नहीं आ पाती हैं.

हम मनुष्य खुद को भले ही सर्वाधिक बुद्धिमान मानें लेकिन वास्तव में हमारी तर्कबुद्धि स्वार्थपूर्ति का औजार ही रही है. हर मनुष्य अपने स्वार्थ के पक्ष में तर्क गढ़ लेता है. जब दुनिया में सुख-सुविधा के अत्याधुनिक साधन नहीं थे, तब दास प्रथा आम थी और बड़े-बड़े विद्वान भी इसे गलत नहीं मानते थे क्योंकि तब समाज के प्रभुत्वशाली वर्ग की सेवा कौन करता?

जिस अंग्रेज जाति को अपनी न्यायप्रियता का अहंकार रहा है, उसने सदियों तक अगर करीब आधी दुनिया को अपना गुलाम बनाए रखा तो इसका कारण आखिर और क्या हो सकता है? हमारे देश का जैसा निर्मम शोषण उन्होंने किया उसे भारत का बच्चा-बच्चा महसूस करता था लेकिन ब्रिटेन के बड़े-बड़े बुद्धिजीवियों को भी अगर वह दिखाई नहीं पड़ता था तो सिर्फ इसलिए कि इससे उन्हें फायदा हो रहा था. लेकिन अपना फायदा ही तो दुनिया के सारे प्राणी देखते हैं, फिर इसमें गलत क्या है?

जंगल में पशुबल ही कानून होता है. बिल्ली को कुत्ते खा जाते हैं और चूहे को बिल्ली. हम मनुष्य अगर पाशविक बल की सोच से ऊपर उठ पाए तो शायद इसीलिए कि अतीत में हमारे स्वार्थ के दायरे में पूरी दुनिया का हित समाया रहा होगा. दरअसल जब हम स्वार्थ के सबसे छिछले स्तर पर सोचते हैं तो सिर्फ तात्कालिक लाभ को ध्यान में रखते हैं लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से सोचने पर समझ में आता है कि अगर दूसरों का भला करेंगे तो वही भलाई पलट कर हमारे पास आएगी.

कहानी है कि एक बार असुरों ने भगवान से शिकायत की कि हम भी तो आप ही की संतान हैं, फिर आप देवताओं से पक्षपात क्यों करते हैं? भगवान ने देवों-दैत्यों को अलग-अलग समूह में इकट्ठा किया और सबके हाथ में एक-एक लकड़ी बांध दी. फिर स्वादिष्ट भोजन की थाली सबके सामने रखवाकर कहा कि उसे खाएं. चूंकि लकड़ी बंधी होने से हाथ मुड़ नहीं सकता था, इसलिए असुरों ने खाने की कोशिश में सारा खाना जमीन पर गिरा दिया. उधर देवताओं ने हाथ सीधा रखते हुए भी एक-दूसरे को खिलाया और सबका पेट भर गया. तब भगवान ने असुरों को समझाया कि जो अपने बारे में सोचते हैं, उनके बारे में मैं नहीं सोचता लेकिन जो दूसरों का ध्यान रखते हैं, उनका ध्यान मैं रखता हूं.

हम मनुष्य जब तक प्रकृति का ध्यान रखते रहे तब तक प्रकृति भी हमारा ध्यान रखती रही, लेकिन अब जब हम पर्यावरण को तबाह करने पर तुले हैं तो प्रकृति भी तबाही लाने लगी है. ऐसा नहीं है कि प्रो. जी.डी. अग्रवाल मानव जाति के हितों के खिलाफ थे, लेकिन वे देख पा रहे थे कि तात्कालिक फायदों के लिए हम किस तरह से अपने दीर्घकालिक भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मूढ़ताएं आज हमें कितनी भी हास्यास्पद लगें, लेकिन अगर हमने विकास का अपना तरीका नहीं बदला तो हम सबका हाल भी ट्रम्प जैसा ही होना है, क्योंकि एक सीमा के बाद हम स्वार्थ में इतने अंधे हो जाते हैं कि महसूस ही नहीं होता विवेक नाम की भी कोई चीज होती है. दुनिया में ट्रम्प की बेशर्मी के नंगे नाच को देखकर भी अगर अमेरिकियों को शर्म नहीं आ रही है तो इसीलिए कि उन्हें लग रहा है वे उनके फायदे के लिए यह सब कर रहे हैं.

असम्भव नहीं है कि निकट भविष्य में ट्रम्प की ही राह दुनिया के सारे देश अपना लें और ट्रम्पवादी सोच समूची मानव जाति को फिर से जंगली जानवरों की श्रेणी में ला खड़ा करे, जहां पशुबल को ही कानून माना जाता है!

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड का ऐलान

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 15 फरवरी से सीरीज का आगाज होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ मल्टी फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड का ऐलान हो गया. सॉफी मॉलिन्यू की कप्तानी में टीम चुनी गई. एलिसा हीली के कप्तानी छोड़ने और भारत के साथ सीरीज के साथ संन्यास के ऐलान के चलते नेतृत्व में बदलाव करना पड़ा. हालांकि हीली भारत के खिलाफ वनडे सीरीज और इकलौते टेस्ट में कप्तानी संभालेंगी. इसके बाद वह इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ देंगी. 28 साल की मॉलिन्यू तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान बनाई गई है. वह इस भूमिका में आगाज टी20 सीरीज में कप्तानी के साथ करेंगी. उन्हें ताहलिया मैक्ग्रा और एश्ले गार्डनर पर तवज्जो दी गई है. ये दोनों भारत के खिलाफ सीरीज में उपकप्तान बनाई गई. मैक्ग्रा पहले से उपकप्तान थी और अब गार्डनर को दूसरी उपकप्तान बनाया गया है.

लगातार शतक ठोकने वाले सरफराज खान ने टीम इंडिया के सेलेक्शन पर तोड़ी चुप्पी– मॉलिन्यू ने 2018 में भारत के खिलाफ टी20 मुकाबले से इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था. लेकिन 2024 के बाद से वह अलग-अलग चोटों के चलते ऑस्ट्रेलिया के टी20 और टेस्ट नहीं खेल पाई हैं. हाल ही में वह डब्ल्यूबीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के सारे मैच भी नहीं खेल पाई थी. लेकिन 2024-25 के सीजन में इस टीम को पहली बार विजेता बनाने का उन्हें फायदा मिला. समझा जाता है कि कप्तान बनने में यह सफलता निर्णायक रही. मॉलिन्यू जून 2026 में टी20 वर्ल्ड कप से पहले वेस्ट इंडीज दौरे के साथ तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगी.

टी20 विश्व कप से पहले अमेरिका का स्टार बल्लेबाज सस्पेंड

आईसीसी ने इस वजह से की कार्रवाई

दुबई, एजेंसी। आईसीसी ने 2023-24 में बारबाडोस में आयोजित बीआईएम10 लीग के दौरान कथित फिक्सिंग के मामले में अमेरिका के बल्लेबाज आरोन जोन्स को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। जोन्स 2024 में टी20 विश्व कप में डेब्यू करते हुए सुपर-8 चरण तक पहुंचने वाली अमेरिकी टीम का हिस्सा थे। उन पर भ्रष्ट

प्रस्ताव की जानकारी संबंधित अधिकारियों को न देने और कथित अपराध की जांच में सहयोग न करने का भी आरोप लगाया गया है।

आईसीसी ने बयान जारी किया

आरोन जोन्स को लेकर आईसीसी ने बयान जारी किया। आईसीसी की तरफ से कहा गया, 'आईसीसी ने अमेरिका के खिलाड़ी आरोन जोन्स पर क्रिकेट वेस्टइंडीज और आईसीसी के भ्रष्टाचार-रोधी संहिता के तहत पांच उल्लंघनों का आरोप लगाया है। ये आरोप मुख्य रूप से 2023-24 के बीआईएम10 टूर्नामेंट से जुड़े हैं, जो सीडब्ल्यूआई की भ्रष्टाचार-रोधी संहिता के अधिकार क्षेत्र में आता है, जबकि दो अन्य आरोप अंतरराष्ट्रीय मैचों से संबंधित हैं, जो आईसीसी संहिता के अंतर्गत आते हैं।'

मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी

यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास वापस ले लिया है। मोईन ने सीजन 2026 के लिए ब्लास्ट कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इस कॉन्ट्रैक्ट को 2027 तक बढ़ाया जा सकता है। मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी और कॉन्ट्रैक्ट की पुष्टि यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने बुधवार को की। मोईन ने क्लब द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैं ब्लास्ट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत खुश हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है, लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि टीम किस ओर जा रही है। टीम में बहुत प्रतिभा है। एंथनी के साथ काम करने और ग्रुप को आगे बढ़ाने में मदद करने का मौका मेरे लिए रोमांचक है। मुझे हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है। विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में मदद करना चाहता हूं।' यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से आठवें स्थान पर रही थी। क्लब ने ऑफ-सीजन के दौरान डेविड मलान को ग्लूस्टरशायर और जॉर्डन थॉम्पसन को वारविकशायर के हाथों गंवा दिया। टीम ने कुछ विदेशी खिलाड़ियों सैम व्हाइटमैन, एंड्रयू टाई, नवीन-उल-हक और लोगान वैन बीक को साइन किया था। यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा, 'मोईन एक विश्व-स्तरीय ऑलराउंडर हैं जिनका असर उनकी ऑन-फील्ड काबिलियत से कहीं ज्यादा है। उनका अनुभव और नेतृत्व बहुत कीमती होगी क्योंकि हम अपनी टी20 टीम को मजबूत करना जारी रखेंगे और ब्लास्ट में लगातार चुनौती देने में सक्षम टीम बनाएंगे। वह ड्रेसिंग रूम में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे, और उनके आने से पूरे क्लब और यॉर्कशायर में क्रिकेट पर सकारात्मक असर पड़ेगा।'

शिवम दुबे बने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में

तीसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत ने भले ही बुधवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के विरुद्ध चौथा टी20 मैच 50 रन से गंवाया, लेकिन इस मुकाबले में शिवम दुबे की पारी काबिल-ए-तारीफ थी। उन्होंने महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो किसी भारतीय खिलाड़ी की ओर से तीसरी सबसे तेज फिफ्टी रही। इस लिस्ट में युवराज सिंह शीर्ष पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ डरबन के मैदान पर महज 12 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। वहीं, अभिषेक शर्मा ने न्यूजीलैंड के विरुद्ध इसी टी20 सीरीज में 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। वह लिस्ट में दूसरे पायदान पर मौजूद हैं। यह मैच गुवाहाटी में खेला गया था।

तीसरे नंबर पर शिवम दुबे पहुंच गए हैं, जिन्होंने विशाखापत्तनम के मैदान पर महज 15 गेंदों में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 50 रन पूरे किए हैं। चौथे नंबर पर हार्दिक पंड्या हैं, जिन्होंने साल 2025 में अहमदाबाद के मैदान पर साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 16 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। वहीं, अभिषेक शर्मा 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए लिस्ट में पांचवें स्थान पर भी हैं। अभिषेक शर्मा ने साल 2025 में यह कारनामा इंग्लैंड के विरुद्ध वानखेड़े स्टेडियम में किया था। न्यूजीलैंड के विरुद्ध विशाखापत्तनम में खेले गए इस मैच में शिवम दुबे ने पारी के 12वें ओवर में ईश सोढ़ी के खिलाफ दो चौके और तीन छक्के लगाने के साथ एक डबल लिया। इस ओवर में दुबे ने कुल 28 रन हासिल किए, जबकि एक रन वाइड के रूप में भी आया। इसी के साथ दुबे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एक ओवर में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रनों के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। रोहित शर्मा ने साल 2024 में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल स्टार्क के विरुद्ध एक ही ओवर में 28 रन बनाए थे।

आईसीसी टी20 रैंकिंग

अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बरकरार, सूर्यकुमार यादव की लंबी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी टी20 फॉर्मेट के बल्लेबाजों की रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले तीन टी20 मैचों में खेली 2 अर्धशतकीय पारियों के दम पर सूर्यकुमार यादव की एंट्री शीर्ष दस बल्लेबाजों में हो गई है। साल 2025 में बतौर बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे और एक भी

अर्धशतक लगाने में असफल रहे सूर्यकुमार यादव टी20 के शीर्ष दस बल्लेबाजों की रैंकिंग से बाहर हो गए थे। 2026 की शुरुआत भारतीय कप्तान के लिए बेहतरीन रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी 5 टी20 मैचों की सीरीज के पहले तीन मैचों में 2 अर्धशतक की बदौलत उन्होंने 171 रन बनाए हैं। पिछले दोनों मैचों में वह नाबाद रहे। उनका सर्वाधिक स्कोर 82 रहा है। तीन मैचों में किए दमदार प्रदर्शन की बदौलत सूर्यकुमार यादव ने पांच स्थान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। शीर्ष दस बल्लेबाजों की रैंकिंग पर नजर डालें तो भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर मजबूती से बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे, भारत के तिलक वर्मा तीसरे, इंग्लैंड के जोस बटलर चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान पांचवें नंबर पर हैं।

क्या भारत की वनडे और टी20 टीम में जगह बनाना ही सरफराज खान का अगला बड़ा लक्ष्य?

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान वर्तमान में जीने की सोच के साथ अपने खेल को लगातार निखार रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और फिटनेस पर फोकस के दम पर उनका लक्ष्य भारत की सफेद गेंद टीम में वापसी करना है। आईपीएल में सीएसके का हिस्सा बनना उनके लिए एक नई प्रेरणा है, और धोनी जैसे दिग्गज के साथ खेलने का मौका उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करता है।

भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान भले ही टेस्ट क्रिकेट में सीमित मौके पा सके हों, लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर देखने के बजाय आगे की राह पर ध्यान केंद्रित किया है। उनका साफ लक्ष्य है, कड़ी मेहनत के दम पर भारत की सीमित ओवरों की टीम में जगह बनाना। दिल्ली के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी मुकाबले की पूर्व संध्या पर सरफराज ने मीडिया से बातचीत में अपने सोचने के तरीके और भविष्य की योजनाओं को स्पष्ट शब्दों में रखा। सरफराज का मानना है कि क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान पर फोकस सबसे जरूरी है, न कि बीते मौकों या आने वाले कल की चिंता करना।

मैं वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं'– सरफराज ने कहा, 'मैं वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं। मैं अतीत में कुछ नहीं कर सकता। मुझे नहीं पता कि कल क्या होगा।' यह बयान उनके मानसिक संतुलन और पेशेवर सोच को दर्शाता है, जो लंबे समय तक क्रिकेट में टिके रहने के लिए बेहद अहम मानी जाती है।

खराब फॉर्म से वापसी तक का सफर– घरेलू क्रिकेट में एक दौर ऐसा भी आया जब सरफराज रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। हालांकि उन्होंने धैर्य नहीं खोया और अपनी फिटनेस के साथ-साथ तकनीक पर लगातार काम करते रहे। मेहनत का नतीजा यह रहा कि उन्होंने न सिर्फ लाल गेंद के क्रिकेट में, बल्कि सफेद गेंद के प्रारूपों में भी दोबारा रन बनाना शुरू कर दिया। हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में सरफराज ने अपना पांचवां दोहरा शतक जड़ा और इसी के साथ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 5,000 रन पूरे करने का बड़ा मुकाम भी हासिल किया।

मैच से पहले की दिनचर्या में भी सादगी– टीम के अभ्यास सत्र के दौरान सरफराज ने अपनी दिनचर्या को लेकर कहा, 'मुझे बस इतना पता है कि मैं घर जाऊंगा, घर पर बल्लेबाजी करूंगा, अपने पिता के साथ समय बिताऊंगा, होटल में सोऊंगा और कल मैच खेलूंगा।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं भविष्य के बारे में नहीं सोचता। मुझे बस इतना पता है कि मैं वही करूंगा जो मैं वर्षों से करता आ रहा हूं। मैं अभ्यास करूंगा और खुद को बेहतर बनाऊंगा।'

भारत आएगी बांग्लादेश की टीम, इस खिलाड़ी के पास खास पासपोर्ट, नहीं लेगा वीजा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच बड़ा बवाल देखने को मिला था. बांग्लादेश ने अपनी टीम को भारत भेजने से मना कर दिया था, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से भी बाहर होना पड़ा. बांग्लादेश सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया था. लेकिन बांग्लादेश सरकार ने एशियन राइफल एंड पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए अपने फैसले से सभी को चौंका दिया है.

भारत आएगी बांग्लादेश की टीम– बांग्लादेश सरकार ने एशियन राइफल एंड पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए अपनी नेशनल शूटिंग टीम के भारत दौरे को मंजूरी दे दी है. यह चैंपियनशिप 2 से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित होगी. इस फैसले से पहले टीम की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी, लेकिन अब आधिकारिक रूप से मंजूरी मिल गई है. युवा एवं खेल मंत्रालय ने बुधवार को आधिकारिक सरकारी आदेश (जीओ) जारी किया, जिसमें टीम को इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की छूट दी गई. शूटिंग चैंपियनशिप के मामले में बांग्लादेश सरकार का मानना है कि सुरक्षा जोखिम कम है, क्योंकि यह आयोजन इंदौर में होगा, जो सुरक्षित जगह है. युवा और खेल सचिव एमडी महबूब-उल-आलम ने फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि दौरे को मंजूरी देने से पहले सभी पहलुओं पर विचार किया गया. उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश टीम में सिर्फ एक एथलीट और एक कोच है, जिससे यह बहुत छोटा समूह बन है. इसके अलावा, आयोजकों ने हमें आश्वासन दिया है कि कोई सुरक्षा समस्या नहीं होगी.

'मैं टीम के लिए जरूरी नहीं हूं...'

रिटायरमेंट पर केएल राहुल ने अपने बयान से किया हैरान, जानिए क्या कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल भारत के स्टार क्रिकेटर हैं, जो टीम इंडिया की कप्तानी भी कर चुके हैं. हालांकि वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का हिस्सा नहीं हैं. राहुल जैसे बड़े खिलाड़ी का ये कहना कि वह खुद को टीम के लिए ज्यादा जरुरी नहीं मानते, हैरान करने वाली बात है. उन्होंने 'द स्विच, केविन पीटरसन' यूट्यूब चैनल पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान के साथ बातचीत में अपने भविष्य की प्लानिंग पर बात की. केएल राहुल ने पीटरसन के साथ बातचीत में कहा, 'मुझे लोगों के प्रति क्रिकेट को लेकर दीवानगी के चलते क्रिकेट से प्यार नहीं हुआ. ये बस मैंने चुन लिया. मुझे याद है कि मेरे पापा भी क्रिकेट खेला करते थे और जब भी हमारे घर पर सभी लोग साथ होते थे तो सभी मर्द क्रिकेट खेलते थे. पापा मुझे गेंद करवाते और मैं दिन भर खेलता था, क्योंकि मुझे इसमें मजा आता था. शायद मेरी किस्मत में ही क्रिकेट खेलना लिखा था.'

मैं सुपरस्टार नहीं हूं- केएल राहुल– राहुल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं सुपरस्टार हूं. लोग जब मेरी तारीफ करते हैं तो

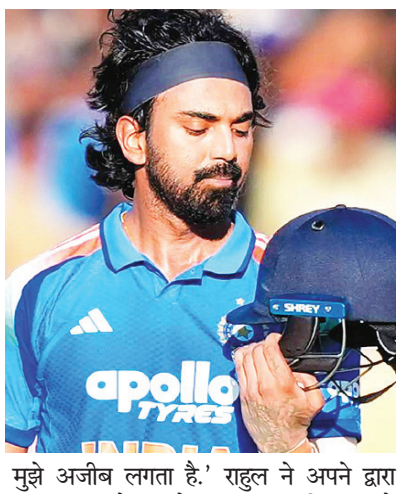

मुझे अजीब लगता है.' राहुल ने अपने द्वारा चलाए जा रहे फाउंडेशन पर कहा कि, 'मुझे खुद को बताना पड़ता है कि मुझे ये मौके कैसे मिले. मैं उन लोगों की मदद कर सकता हूं, जो अपनी जिंदगी में संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें सहारे की जरुरत है. लोग मुझसे सीधे भी संपर्क करते हैं, ये मौके मुझे क्रिकेट की वजह से मिले.

रिटायरमेंट पर क्या बोले राहुल– केविन पीटरसन ने कहा कि भारत में रिटायरमेंट के बारे में सोचना सबसे मुश्किल है, इस पर केएल राहुल ने कहा, 'मैंने जब भी इस बारे में सोचता हूं, तो जब आप खुद के लिए ईमानदार हैं तो ये सब करना मुश्किल नहीं है. जब रिटायरमेंट का समय आना होगा तो आएगा, इसे लंबा खींचने का कोई मतलब नहीं. जाहिर है कि अभी थोड़ा वक्त है. मैं कई बात चोटिल हुआ हूं और उससे उबरना किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल लड़ाई होती है. यह मानसिक लड़ाई होती है जब आप हार मान लेते हो.' राहुल ने आगे कहा, 'क्रिकेट ने आपको बहुत कुछ दिया है, जिसमें अगले काफी समय तक गुजारा हो सकता है. इसलिए छोड़ दो, बस आनंद लो उन चीजों का जो आपके पास है. आपके पास आपका परिवार है.'

मैं इतना जरुरी नहीं– केएल राहुल ने आगे कहा, 'आप जानते हैं? मैं खुद को ये समझाने की कोशिश करता हूं कि मैं इतना महत्वपूर्ण प्लेयर नहीं हूं.

4टी20 वर्ल्ड कप 2026

रोहित शर्मा ने बताई टीम इंडिया की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए टीम इंडिया को टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम ने पिछले एक साल में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि यह सफर उतना सरल नहीं होगा जितना बाहर से दिखता है।

वर्ल्ड कप से पहले रोहित ने उस अहम चुनौती की ओर इशारा किया है, जो टीम मैनेजमेंट के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन सकती है।

- **भारत फेवरेट, लेकिन चुनौती बरकरार**– टीम इंडिया मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट की सबसे संतुलित और मजबूत टीमों में गिनी जाती है। बल्लेबाजी में गहराई, ऑलराउंडरों की भरमार और बेहतरीन गेंदबाजी विकल्प भारत की ताकत हैं। यही वजह है कि फैंस और एक्सपर्ट्स भारत को सेमीफाइनल तक का पक्का दावेदार मान रहे हैं। हालांकि, रोहित शर्मा के मुताबिक टूर्नामेंट में असली परीक्षा टीम कॉम्बिनेशन को लेकर होगी, जहां हर फैसला बेहद सोच-समझकर लेना पड़ेगा।

- **स्पिन अटैक बना सबसे बड़ा सवाल**– रोहित शर्मा ने खास तौर पर भारत के स्पिन आक्रमण को लेकर चिंता जाहिर की। उनके अनुसार, कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे मुश्किल सवाल यह होगा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो स्पेशलिस्ट स्पिनरों को एक साथ खिलाया जाए या पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ वरुण पर भरोसा किया जाए। भारत पिछले एक साल से स्पिन गेंदबाजों पर काफी निर्भर रहा है, जिसमें कुलदीप, वरुण और अक्षर पटेल ने कई मैचों का रुख पलटा है।
- **दो स्पिनर या एक, यही है दुविधा**–रोहित के मुताबिक, अगर टीम मैनेजमेंट कुलदीप और वरुण दोनों को प्लेइंग इलेवन में शामिल करना चाहता है, तो उसे सिर्फ दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। टर20 क्रिकेट में यह एक बड़ा जोखिम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि कप्तान और कोच किस तरह का संतुलन चाहते हैं।

ओस बनेगी बड़ा फैक्टर

रोहित शर्मा ने टूर्नामेंट के समय को भी एक अहम चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च के दौरान, जब सर्दियों से वसंत का मौसम आता है, भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मैचों में भारी ओस देखने को मिलती है। ओस की वजह से स्पिनरों के लिए गेंद पकड़ना और कंट्रोल बनाए रखना मुश्किल हो जाता है, जिससे टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670